RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:35 ता. 28 जूलाई 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जगह खाली करो! यमुना-हिंडन ने बजाई 'घंटी' तो जागी सरकार, बड़े ऐक्शन को तैयार

नोएडा। यमुना और हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में जमीन बेचने वालों पर नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग मिलकर कार्रवाई करेंगे। इसके लिए संयुक्त टीम डूब क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण का सर्वे करेगी। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हिंडन में बाढ़ के कारण पुराना सुत्याना गांव में एक डंप यार्ड में खड़ी 350 से ज्यादा कार डूबने के बाद बुधवार को डीएम मनीष वर्मा और प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने गांव में जाकर निरीक्षण किया। यहां उन्होंने नक्शे के माध्यम से गांव और हिंडन के क्षेत्र की जानकारी ली। नक्शे के जरिए अधिकारियों ने काफी देर तक डूब क्षेत्र और गांव के क्षेत्रफल की पहचान की। डीएम ने बताया कि एनजीटी ने डूब क्षेत्र में निर्माण पर रोक लगाई है। अब प्रशासन ने ऐसे घरों को चिह्नित करने की तैयारी की है जो नया अवैध निर्माण हुआ है। उनसे उन भूमाफिया के बारे में भी जानकारी लेंगे, जिन्हें उन्होंने जमीन बेची। उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। हिंडन के बाद सीईओ ने यमुना के डूब क्षेत्र में जाकर अतिक्रमण की स्थिति देखी। सेक्टर-135 नंगली वाजिदपुर क्षेत्र में भी काफी संख्या में अवैध निर्माण मिला। जलस्तर कम होते ही संभवत अगले सप्ताह से फार्म हाउस पर बड़ी कार्रवाई करनी शुरू कर दी जाएगी।

अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से अतिक्रमण

यमुना हो या हिंडन, दोनों के डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण जिला प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण और सिंचाई विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से ही हुआ। वर्ष 2008-09 के आसपास से इन दोनों डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण की शुरुआत हुई थी। अब अधिकांश हिस्से में निर्माण हो चुका है। सीईओ ने बताया कि अवैध निर्माण को चिह्नित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भूखंड वार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

घुटने का इलाज कराने कोटक्कल पहुंचे राहुल गांधी

100 साल पुराने आयुर्वेदिक संस्थान में ट्रीटमेंट; भारत जोड़ो यात्रा के दौरान परेशानी हुई थी

नई दिल्ली। राहुल गांधी केरल के मलप्पुरम में घुटने के दर्द का इलाज करवा रहे हैं। वे यहां सौ साल पुराने आयुर्वेदिक संस्थान कोट्टक्कल आर्य वैद्य शाला में ट्रीटमेंट ले रहे हैं। वैद्य शाला के पी. मदनवनकुट्टी वेरियर और के. मुरलीधरन के साथ डॉक्टरों की एक टीम उनकी देखभाल कर रही है। वे 29 जुलाई तक यहां रहेंगे। इस बीच राहुल ने कोट्टक्कल में बने श्री विश्वंभरा मंदिर में पूजा-अर्चना की। आर्य वैद्य शाला के रोगियों के लिए यह मंदिर आराम और शांति के लिए बना गया है। राहुल गांधी 21 जुलाई को पूर्व CM ओमन चांडी के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। इसके बाद वे कोटक्कल पहुंचे थे।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुआ था दर्द

पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल को घुटने में दर्द की परेशानी हुई थी। उस वक्त वे केरल में थे। यात्रा पूरी होने पर उन्होंने बताया था कि एक समय घुटने का दर्द इतना बढ़ गया था कि यात्रा जारी रखना मुश्किल लग रहा था। हालांकि, एक फिजियोथेरेपिस्ट की मदद से राहुल ने यात्रा पूरी की थी। भारत जोड़ो यात्रा ने 136 दिनों में 75 जिलों, 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में 4,000 किमी से अधिक की दूरी तय की थी। राहुल गांधी हर दिन पैदल चलते थे।

100 साल से ज्यादा पुराना आयुर्वेदिक संस्थान है आर्य वैद्य शाला

केरल के मलप्पुरम जिले के कोट्टक्कल में पीएस वारियर ने 1902 में इसकी स्थापना की थी। यह संस्थान दुनिया भर के रोगियों को आयुर्वेदिक इलाज और दवाएं देता है। कोट्टक्कल, कांजीकोड और नंजनगुड में आर्य वैद्य शाला की मेडिसिन मेनुफैक्चरिंग यूनिट हैं, जो 550 से ज्यादा आयुर्वेदिक दवाएं बनाती हैं।

केरल के वायनाड से ही सांसद थे राहुल गांधी

राहुल गांधी केरल के वायनाड जिले से पूर्व सांसद रहे हैं। मोदी सरनेम मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उन्हें संसद से सांसद के रूप में उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी।

फिलहाल ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है, कोर्ट ने राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले पूर्णेश मोदी और गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। इस पर 10 दिनों में जवाब देना होगा। इस मामले में अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी।

SC से राहत नहीं मिली तो 2031 तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे

राहुल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली तो वे 2031 तक कोई चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। राहुल को इस मामले में 23 मार्च 2023 को 2 साल की सजा सुनाई गई थी। नियम के मुताबिक, सजा पूरी होने के छह साल बाद तक चुनाव लड़ने पर रोक रहती है। ऐसे में 2025 में उनकी सजा पूरी होगी और उसके बाद 6 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक रहेगी।

सच्चे हिंदू नहीं हो सकते राहुल गांधी: गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को सीआरपीएफ स्थापना दिवस की बधाई देने के साथ राहुल गांधी और बिहार सरकार पर ट्वीट कर जोरदार हमला किया है।

सीआरपीएफ स्थापना दिवस के अवसर पर बधाई देते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि हम सब अपने बहादुर जवानों की अटूट बहादुरी और बलिदान का सम्मान करें। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए उनका समर्पण सराहनीय है और हमारे लिए अत्यंत सम्मान के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सच्चे हिंदू नहीं हो सकते। जिस मुस्लिम लीग को वह धर्मनिरपेक्ष बता कर प्रचारित कर रहे हैं, वह हिंदुओं को जिंदा जलाने और हिंदुओं को रामायण को ना पढ़ने लायक छोड़ने की बात कर रहे हैं। मुस्लिम लीग द्वारा एक नारा तो राहुल गांधी के

खिलाफ भी बनता है, जब वह हिंदू की एक्टिंग करते हुए मंदिर जाते हैं। बिहार सरकार पर हमला करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार में शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा में सुधार के लिए रोजाना दस पत्र जारी करने का दिखावा किया जा रहा है। हकीकत यह है कि नीतीश सरकार बच्चों को पढ़ने के लिए किताबें तक नहीं दे पा रही है। सत्र के चार माह बीतने के बाद भी सरकारी स्कूल के 30 प्रतिशत से अधिक बच्चों को किताबें नहीं मिली हैं, तो शिक्षा व्यवस्था का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

एम्स के डॉक्टरों का कमाल; पेट छाती से जुड़ी जुड़वा बहनों को 9 घंटे की सर्जरी के बाद किया अलग

नई दिल्ली। एम्स के डॉक्टरों ने करीब नौ घंटे चली सर्जरी में दो ऐसी जुड़वां बहनों को अलग किया है जो जन्म से ही छाती और पेट से एक दूसरे से जुड़ी हुई थीं। इन दोनों बच्चियों का लिवर, छाती की हड्डियां, फेफड़ों का डायफ्राम और यहां तक की दिल से जुड़ी कुछ झिल्लियां भी आपस में जुड़ी हुई थीं। ऐसे में छाती और पेट से चिपके दोनों बच्चों को अलग करने के लिए एम्स के डॉक्टरों ने नौ घंटे की सर्जरी की। इसमें डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत करीब 64 लोगों की टीम ने काम किया। उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले अंकुर गुप्ता ने बताया कि जब कुछ समय पहले उनकी पत्नी दीपिका गुप्ता गर्भवती हुई तो हमने बरेली के एक स्थानीय अस्पताल में अल्ट्रासाउंड कराया। यहां जुड़वा बच्चों के आपस में जुड़े होने का पता चला तो स्थानीय डॉक्टर ने कहा कि इनका बचना मुश्किल है। किसी की सलाह पर दीपिका गुप्ता इलाज के लिए एम्स आ गईं। एम्स के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बरेली की जुड़वां बहनें- रिद्धि और सिद्धि एक-दूसरे के सामने छाती और पेट के ऊपरी हिस्से से जुड़ी हुई थीं। दोनों का लिवर और हृदय के क्षेत्र को अलग करना चुनौतीपूर्ण था। जुड़वां बहनों के

बीच प्रमुख अंग साझा थे। इन अंगों में यकृत, हृदय को ढकने वाली परतें, पसली, डायाफ्राम और पेट की दीवार शामिल थीं। दोनों का लिवर और हृदय के क्षेत्र को अलग करना चुनौतीपूर्ण था। सर्जनों की कई टीमों ने बारी-बारी से सर्जरी को सटीक और कुशलता से पूरा किया। बच्चियों को गंभीर देखभाल इकाई में रखा गया था। विभिन्न विभागों के इनपुट और नर्सिंग स्टाफ की कड़ी देखभाल के कारण दोनों स्वस्थ होने में सक्षम हुई हैं। अब वे अस्पताल से छुट्टी के लिए तैयार हैं। बीते तीन वर्षों में प्रोफेसर मीनू बाजपेयी के नेतृत्व में एम्स दिल्ली के बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित यह तीसरी बेहद मुश्किल सर्जरी थी। टीम ने पिछले तीन वर्षों में संयुक्त जुड़वां बच्चों के तीन जोड़ों को सफलतापूर्वक अलग किया है। जुड़वां बच्चों की पहली और दूसरी जोड़ी कूल्हे से जुड़ी थी। अब ये स्वस्थ हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बरेली की रिद्धि और सिद्धि संयुक्त जुड़वां बहनें थीं। संयुक्त जुड़वां बच्चे वे बच्चे होते हैं जो जन्म से ही एक-दूसरे से शारीरिक रूप से जुड़े होते हैं। संयुक्त जुड़वा बच्चों को अलग करना बेहद जोखिम भरा और चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे बच्चों को अलग करने के लिए बेहद जटिल सर्जरी की जरूरत होती है। ऐसी सर्जरी के लिए रेडियोलॉजिस्ट, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, प्लास्टिक सर्जरी, कार्डियोथोरेसिक सर्जन, नर्सिंग समेत विभिन्न विभागों का कोआर्डिनेशन और कार्यान्वयन चाहिए होता है।

जम्मू आधार शिविर से 3111 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू। जम्मू कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से बम बम भोले के जयकारों के बीच 3111 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था गुरुवार को यहां दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित श्री अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए रवाना हुआ।

एक अधिकारी ने बताया कि 3111 तीर्थयात्री 124 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए। इसी तहर 2154 तीर्थयात्रियों (1686 पुरुष, 424 महिलाएं, छह बच्चे और 47 साधु) का एक समूह 83 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ।

बालटाल के लिए 907 तीर्थयात्री (जिनमें 616 पुरुष, 336 महिलाएं और पांच बच्चे शामिल है) कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 41 वाहनों के काफिले में रवाना हुए।

एक जुलाई को शुरू हुई यात्रा 31 अगस्त को समाप्त होगी।

कोयला घोटाला मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद को चार साल की सजा

नयी दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने सजा की मात्रा पर बहस सुनने के बाद छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितता से जुड़े एक मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा को चार साल कैद की सजा सुनाई है।

इस मामले में दर्डा के साथ उनके बेटे देवेंदर दर्डा और मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मनोज कुमार जयसवाल को भी चार साल कैद की सजा सुनाई गई। इसके अलावा दिल्ली की इस अदालत ने बुधवार को इस मामले में पूर्व कोयला सचिव एच.सी.गुप्ता और दो लोक सेवकों - केएस क्रोफा और केसी सामरिया - को तीन साल की सजा सुनाई।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश संजय बंसल ने दलीलें सुनने के बाद 13 जुलाई को पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा और पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता, दर्डा के बेटे देवेंद्र दर्डा, केएस क्रोफा और केसी सामरिया, मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और इसके निदेशक मनोज कुमार जयसवाल के खिलाफ दोषसिद्धि का आदेश पारित किया।

अदालत ने सभी आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (भादस) के तहत परिभाषित धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और धारा 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया।

अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की कई अन्य धाराओं के तहत अपराध के लिए मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी लिमिटेड पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अदालत ने कंपनी को भादस की धारा 420 के तहत गंभीर अपराध के लिए 25 लाख रुपये का जुर्माना भरने की सजा भी सुनाई। सीबीआई कोर्ट ने नवंबर 2014 में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करने से इनकार करते हुए केंद्रीय एजेंसी को मामले में आगे की जांच करने का निर्देश दिया था।

स्कूल बंद, एग्जाम कैंसिल, पहली बार जुलाई में इतना नहाई मुंबई

आईएमडी की भविष्यवाणी ने भी डराया

मुंबई। आर्थिक राजधानी मुंबई में भारी बारिश का दौर जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी ढ्ढष्ठ ने भी शहर में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। खबर है कि मुंबई समेत आसपास के कई इलाकों में अति भारी बारिश की संभावनाएं हैं। इधर, बृहमुंबई महानगरपालिका ने एहतियात के मद्देनजर सभी स्कूल-कॉलेज बंद करने का ऐलान किया है। बारिश से मुंबई का कोलाबा सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहा है।

इतिहास में पहली बार जुलाई में इतनी भीगी मुंबई

अधिकारियों का कहना है कि इतिहास में पहली बार मुंबई में इतनी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड साल 2020 में दर्ज हुआ था। उस दौरान सांताक्रूज में 1502 मिमी बारिश हुई थी। 2023 में 1 जुलाई से 26 जुलाई की सुबह तक यह आंकड़ा 1433 मिमी पर पहुंच गया था। गुरुवार को यह रिकॉर्ड 1557.8 मिमी पहुंचते ही टूट गया।

कोलाबा में सबसे ज्यादा बारिश

IMD ने बताया है कि मुंबई के कोलाबा में 24 घंटों के अंदर सबसे भारी बारिश हुई है। इस दौरान यहां तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस और बारिश 223.2 मिमी दर्ज की गई। जबकि, सांताक्रूज में यह आंकड़ा 24.4 डिग्री सेल्सियस था और यहां 145.1 मिमी बारिश हुई है। मुंबई और उपनगरीय इलाकों में गुरुवार दोपहर तक के लिए पहले ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर रेड अलर्ट किया गया।

उफान पर झीलें पर जारी रहेगा वॉटर कट

मुंबई में भारी बारिश ने झीलों को लबालब कर दिया है, लेकिन इससे मुंबईवासियों की वॉटर कट या पानी की कटौती की समस्या तुरंत हल नहीं होगी। बुधवार तक शहर की कई झीलों में अधिकतम क्षमता तक पानी आ गया था। इसी बीच बीएमसी ने साफ कर दिया है कि जब सभी सात झीलों में कुल स्टॉक 70 फीसदी के आंकड़े को पार नहीं कर लेता तब तक 10 फीसदी पानी की कटौती जारी रहेगी। विहार और तानसा झीलें भर चुकी हैं।

24 घंटे में 100 मिमी से ज्यादा बारिश

दक्षिण मुंबई ने मूसलाधार बारिश का सामना किया। आंकड़े बताते हैं कि बुधवार सुबह 8.30 से गुरुवार सुबह 8.30 तक कई इलाकों में 100 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इनमें कोलाबा (223.2 मिमी), सांताक्रूज (145.1 मिमी), बांद्रा (106 मिमी), राम मंदिर (161 मिमी), भायखला (119 मिमी), CSMT (153.5 मिमी) और सियोन (112 मिमी) का नाम शामिल है। इसके अलावा दहिसर में 70.5, चेंबूर में 86.5 और माटुंगा में 78.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

स्कूल बंद, परिक्षाएं भी नहीं होंगी

बीएमसी ने भारी बारिश के कारण शहर के स्कूल-कॉलेज बंद करने का फैसला किया है। वहीं, रेड अलर्ट के बीच मुंबई यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को होने वाली सभी परीक्षाएं भी कैंसिल कर दी हैं। इस संबंध में बुधवार को विश्वविद्यालय बोर्ड की ओर से सर्कुलर भी जारी कर दिया है।

मालडुंगा पॉइंट पर भूस्खलन

खबर है कि बारिश के बीच मथेरन के मालडुंगा पॉइंट पर भूस्खलन हो गया है। ऐसे में पर्यटकों के लिए फिलहाल जगह को बंद कर दिया है। हालांकि, राहत की बात है कि बस्ती नहीं होने के कारण यहां जनहानि नहीं हुई। रायगढ़ की घटना के वक्त महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा था कि भूस्खलन की घटनाओं का पैटर्न बदल रहा है।

सतारा में भी रेड अलर्ट, बांध का जलस्तर बढ़ा

महाराष्ट्र के सतारा जिले में भी रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिले के पश्चिमी हिस्से में लगातार बारिश हो रही है। इसी बीच सतारा शहर के पास कन्हेर डेम का जलस्तर भी बढ़ा है। फिलहाल, बांध 57 प्रतिशत भरा हुआ है और जिला प्रशासन भी सुरक्षा के संबंध में तैयार नजर आ रहा है।

कर्नाटक में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से अब तक 38 की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि मूसलाधार बारिश और बाढ़ से अब तक 38 लोगों की जान जा चुकी है। राज्य के कई हिस्से अब भी पानी में डूबे होने से जनजीवन प्रभावित है। राज्य में बारिश और बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल राहत और बचाव कार्य करने का निर्देश दिया। सिद्धरमैया ने कहा, मानसून की बारिश के कारण एक जून से अब तक 38 लोगों की मौत हो गई है और 35 लोग घायल हुए हैं। 57 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, 208 काफी क्षतिग्रस्त हुए हैं और 2,682 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, तथा 105 मवेशियों की जान गई है। राज्य में मौसम और फसल की स्थिति का आकलन करने के लिए सभी जिलों के उपायुक्तों और जिला पंचायत सीईओ की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद उन्होंने कहा कि 185 हेक्टेयर भूमि पर लगी फसलें और 356 हेक्टेयर की बागवानी बर्बाद हुई है। उन्होंने कहा कि कुल बारिश और बाढ़ से 541 हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गई है। बैठक में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और कई अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री शामिल हुए। सिद्धरमैया ने कहा कि मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। सीएम ने कहा कि बाढ़ की स्थिति के दौरान किसानों से ऋण की जबरन वसूली नहीं करने का निर्देश दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री को ब्लैकमेल करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक केंद्रीय मंत्री को कथित तौर पर फोन कर अश्लील वीडियो दिखा उन्हें ब्लैकमेल करने (सेक्सटॉर्शन) की कोशिश के आरोप में राजस्थान से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, केंद्रीय मंत्री को जून में व्हाट्सएप पर एक वीडियो कॉल आया था और जैसे ही उन्होंने उस फोन को उठाया एक अश्लील वीडियो चलने लगा, जिसके बाद उन्होंने तुरंत फोन काट दिया। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय मंत्री को बाद में एक व्यक्ति ने फोन किया और उनकी (मंत्री की) वीडियो क्लिप को सोशल मीडिया पर साझा करने की धमकी दी। पुलिस ने बताया कि जून में शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी मोहम्मद वकील और मोहम्मद साहिब को जुलाई में गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा मामले में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

पुलवामा में शहीद सैनिकों के 19 निकट परिजनों को मिली नौकरी

नई दिल्ली। पुलवामा हमला जम्मू-कश्मीर में सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक था, इस हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए। पुलवामा हमले को लेकर भारत ने भले ही बदला ले लिया हो, लेकिन जो जवान शहीद हो गए उनका परिवार हमेशा के लिए सूना हो गया। शहीद हुए जवानों के परिवार में से अभी कई लोगों को सरकारी नौकरी नहीं मिली हैं। वह अपनी नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। अब मोदी सरकार से संसद में पुलवामा में शहीद हुए जवानों के परिवार को नौकरी नहीं मिलने पर सवाल किया उस पर केंद्र ने जवाब दिया हैं। मोदी सरकार ने बताया कि पुलवामा में 2019 में हुए आतंकवादी हमले में शहीद जवानों में से करीब एक दर्जन की विधवाओं को उनकी संतान के 18 वर्ष की आयु पूरा करने की प्रतीक्षा है,ताकि वे सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकें। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना में शहीदों के 19 निकट परिजनों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी जा चुकी है और तीन को नौकरी दिए जाने की प्रक्रिया चल रही है। पुलवामा में एक फरवरी 2019 की आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 कर्मियों की जान गई थी। राय ने बताया कि 11 विधवाओं ने अपनी संतान के 18 वर्ष का हो जाने तक प्रतीक्षा करने का निर्णय किया है, ताकि वे अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकें।

35 करोड़ की नशीली दवाएं जब्त, दो गिरफ्तार

डिब्रूगढ़। असम पुलिस ने कछार जिले में 35 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं जब्त कीं और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने सिलचर शहर से लगभग 13 किमी दूर बांसकांडी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर एक अभियान चलाया। पुलिस ने एक वाहन को रोका और इसमें गुप्त कक्षों में छिपाकर 1,70,000 याबा गोलियां ले जाई जा रही थीं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान किपजेन और लालडोम्सा हमार के रूप में की गई। पुलिस के अनुसार राजमार्ग असम को मणिपुर से जोड़ता है और प्रतिबंधित पदार्थ मणिपुर राज्य से आ रहे थे। कछार जिले के एसपी नुमल महत्ता ने आईएएनएस को बताया, हमने बुधवार शाम को ऑपरेशन चलाया और भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। सोमवार रात कछार पुलिस ने 45 करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ जब्त किया और मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

अलग-अलग ठिकाने पर पुलिस की निगरानी में हैं सीमा व सचिन

नई दिल्ली। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर और सचिन तीन दिनों से पुलिस की निगरानी में अलग-अलग गुप्त स्थानों पर रह रहे हैं। इस दौरान इन्होंने किसी से कोई मुलाकात नहीं की है। सीमा के बच्चे इनके घर पर रिश्तेदारों की देखरेख में है। सीमा व सचिन के टूटे हुए मोबाइल के डाटा के साथ-साथ सीमा के व्हाट्सएप और अन्य चैट के डाटा भी दो दिनों में रिकवर होकर पुलिस और जांच एजेंसियों तक पहुंच जाएंगे इस रिपोर्ट में सीमा का वॉट्सऐप चैट, वीडियो, फोटो के अलावा पाकिस्तानी कॉन्टेक्ट और अन्य दस्तावेज हो सकते हैं। एक फोन सचिन के पास से भी मिला था। वो भी टूटा था। उसकी रिपोर्ट भी मिलेगी। शुरुआती पूछताछ में सीमा ने पाकिस्तान के जो नंबर बताए थे, वो या तो गलत थे या फिर नहीं मिल रहे थे। इसी के बाद जांच एजेंसियों को सीमा पर पाकिस्तानी जासूस होने का शक गहराने लगा था। पुलिस को पाकिस्तानी एंबेसी से रिपोर्ट आने का इंतजार भी है। पाकिस्तानी सरकार सीमा को अपना नागरिक मानती है, तो आगे की प्रक्रिया करते हुए एंबेसी को सौंपा जाएगा। कई एजेंसियों की जांच के चलते सीमा-सचिन को पुलिस सुरक्षा में ही रहना होगा। परिजनों व करीबियों की गतिविधियों पर भी कड़ी निगरानी रहेगी। किसी वक्त भी किसी से पूछताछ की जा सकती है। सचिन के घर पर पुलिस बल तैनात है। लोगों की नजरों से बचाने के लिए हर रोज उनके रहने का स्थान बदल दिया जाता है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि गुपचुप तरीके से देर-सबेर कुछ लोग अभी भी मुलाकात कर रहे हैं।उधर, बताया जाता है कि सीमा की तबीयत में अब सुधार है, लेकिन अब सीमा खुद मीडिया के सामने नहीं आना चाहती है। सीमा बार-बार यही कह रही है कि अब बस करो, मैं थक चुकी हूं। पुलिस ने सीमा का फर्जी आधार बनाने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

यूनेस्को ने कहा स्कूलों में स्मार्टफोन पर रोक लगाएं

नई दिल्ली। यूनेस्को ने कहा है,कि स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर तुरंत रोक लगानी चाहिए। यूनेस्को का मानना है, कि इससे बच्चों के सीखने की प्रवृत्ति खराब हो रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ की शिक्षा,विज्ञान और संस्कृति एजेंसी द्वारा एक रिपोर्ट में कहा गया है,इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिले हैं। कि मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने के कारण विद्यार्थियों की रचनात्मकता प्रभावित हुई है।इसके अलावा आंखों की रोशनी एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी तकलीफें बच्चों में देखने को मिल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी का उपयोग टूल की तरह होना चाहिए। पारंपरिक शिक्षण प्रणाली को किसी भी हालत में पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के आमने सामने जो संवाद होता है। उसका बड़ा महत्व है। अभी भी दुनिया के करोड़ों बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच नहीं है। जिसके कारण शिक्षा के क्षेत्र में कई अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यूनेस्को के महानिदेशक ने कहा कि 25 फ़ीसदी देश स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। इसमें फ्रांस और नीदरलैंड सबसे आगे हैं। स्कूलों में पढ़ाई स्मार्टफोन के स्थान पर पारंपरिक तरीके से करने पर जोर दिया गया है। भारत में भी स्कूलों में स्मार्टफोन पर रोक लगाने की अनुशंसा की गई है। हालांकि भारत सरकार ने इस दिशा में अभी तक कोई काम नहीं किया है। जिसका असर बच्चों की पढ़ाई और मानसिक विकास में होते हुए दिख रहा है।

रक्षामंत्री के एलओसी पार करने के बयान से पाकिस्तान में हड़कंप

-पाकिस्तान ने बयान के बाद शांति बनाए रखने की अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भविष्य में जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए एलओसी पार करने की चेतावनी क्या दी पाकिस्तान में हड़कंप मच गया। एक ओर पाकिस्तान में खाने के लाले पड़े हैं। वहीं दूसरी ओर रक्षा मंत्री ने ऐसी चेतावनी दे दी है, कि पाकिस्तानी हुक्मरानों के बीच खलबली मच गई है। पाकिस्तान में इस मुद्दे को लेकर सेना और शाहबाज सरकार के वरिष्ठ लोगों के बीच बैठकों का दौर जारी है। पाकिस्तान में यह सवाल उठ रहा है कि जिस तरह बार-बार भारत पीओके की बात कर रहा है, तब कहीं उसने कोई बड़ी योजना नहीं बना रखी है? रक्षा मंत्री सिंह के ताजा बयान ने पाकिस्तान को हिला कर रख दिया है, इसके बाद पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की ओर से आनन फानन में जारी बयान में भारत के रक्षा मंत्री की उस टिप्पणी की निंदा की गई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत अपना सम्मान और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान ने कहा कि ''युद्ध भड़काने वाली बयानबाजी'' क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए खतरा है। इस्लामाबाद में विदेश कार्यालय ने कहा है कि पाकिस्तान किसी भी आक्रामकता के खिलाफ अपनी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है।

पाकिस्तान विदेश कार्यालय के बयान में कहा, ''हम भारत को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह देते हैं, क्योंकि उसकी आक्रामक बयानबाजी क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा है और दक्षिण एशिया में रणनीतिक माहौल को अस्थिर करने वाली है। बयान में कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है कि भारत के नेताओं और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के बारे में ''अत्यधिक गैर-जिम्मेदाराना'' टिप्पणी की है।

बहरहाल, राजनाथ सिंह के बयान की बात है, तब बता दें कि लद्दाख के द्रास में करगिल विजय दिवस के मौके पर करगिल युद्ध स्मारक में अपने संबोधन में सिंह ने कहा था कि देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा, हम देश का सम्मान और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं... अगर इसके लिए एलओसी पार करना हो, तब हम वह भी करने के लिए तैयार हैं... अगर हमें उकसाया गया और जरूरत पड़ी, तब हम एलओसी को पार कर जाएंगे।''

तीस साल बाद श्रीनगर में मुहर्रम के जुलूस को प्रशासन ने दी इजाजत

श्रीनगर। सिया समुदाय इस बात को लेकर बेहद खुश है कि उन्हें तीस सालों के बाद पारंपरिक मुहर्रम का जुलूस निकालने की मंजूरी मिल गई है। गौरतलब है कि यहां शां?तिपूर्ण माहौल होने की बजह से सरकार द्वारा यह कदम उठाया जा रहा है, इससे क्षेत्रीय जनता भी बेहद खुश है। मिली जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बुधवार को तीन दशक बाद श्रीनगर में गुरु बाजार से डलगेट तक पारंपरिक मार्ग पर आठवीं मुहर्रम जुलूस की अनुमति देकर शिया समुदाय की मांग पूरी की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा कि शिया भाइयों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन ने कल (गुरुवार) जुलूस की अनुमति देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि मैं शिया भाइयों और कश्मीरी जनता को बधाई देता हूं जो अपने स्नेह के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह वर्तमान शांतिपूर्ण माहौल में उनके योगदान के कारण है, जिसने प्रशासन के लिए यह ऐतिहासिक निर्णय लेना सुविधाजनक बना दिया है। बता दें कि प्रशासन को सभी समूहों के शिया मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों और गुरुबाजार की स्थानीय समिति के साथ कई दौर की बातचीत के बाद सभी हितधारकों से आश्वासन मिला है कि पवित्र धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित और संपन्न होगा। प्रशासन ने कहा, सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं की जाएंगी और आम जनता, विशेष रूप से शिया समुदाय के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि किसी को भी गुरु बाजार से निकाले जाने वाले जुलूस को छोड़कर अन्य मार्ग पर व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से कोई जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कहा गया है कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति से कानून के अनुसार बहुत सख्ती से निपटा जाएगा।

सपा के अखिलेश यादव का दावा, भाजपा सरकार की 2024 में रवानगी तय

-जान गंवाने वाले कांवडियों के परिजन को एक करोड़ मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग

मेरठ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी सरकार से जान गंवाने वाले कांवडियों के परिजनों के लिए एक करोड़ रुपये व सरकारी नौकरी की मांग की है। सपा अध्यक्ष बुधवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री रहे फारूख हसन की बहन की शादी में शामिल होने सरधना पहुंचे। इसी दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि मणिपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विभाजनकारी नीति और भाजपा की वोट की राजनीति की वजह से जल रहा है। यही वजह है कि अब भाजपा सरकार की 2024 में रवानगी तय है। उन्होंने कहा कि जिन कांवड़ियों पर सीएम हेलिकॉप्टर से फूल बरसाते हैं, उनकी जान चली गई, तो क्या उनको 1 करोड़ रुपया नहीं मिलना चाहिए? अखिलेश यादव ने कहा कि कांवड़ियों की जान सरकार और बिजली विभाग की लापरवाही से गई है। सरकार इनके परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए। गठबंधन को लेकर सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' 'सिर्फ उत्तर प्रदेश से नहीं, बल्कि पूरे भारत देश से भारतीय जनता पार्टी का सफाया करेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया का मतलब है कि हम सबको जोड़कर चलना चाहते हैं। सबको खुशहाली के रास्ते पर लाना चाहते हैं। हमारी मिली-जुली संस्कृति, हमारे भाई-चारे का संदेश।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि इंडिया का मतलब यह है कि हम सबको साथ लेकर चलेंगे, तो फिर इससे भाजपा को किस बात की घबराहट है। भाजपा सरकार 2014 में देश में आई थी, लेकिन अब 2024 में हम इसे रवाना करेंगे। गठबंधन से भाजपा बुरी तरह से घबराई हुई है और उन्हें 'इंडिया' नाम से भी दिक्कत है। अगर भाजपा के लोग यह कहते हैं कि नाम में क्या रखा है, तो मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया का झंडा लेकर चलना क्या है? असल में भाजपा को घबराहट इस बात की है कि इस बार जनता तय करेगी कि एक तरफ वो लोग होंगे, जो भारत और भारत के संविधान को बचाना चाहते हैं और दूसरी तरफ वो जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं। ऐसे में जो लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं वे डरे हुए हैं और डरे हुए लोगों की भाषा बदलती रहती है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 में हमारा एक ही मुद्दा रहेगा भाजपा हटाओ, इंडिया जिताओ। सपा अध्यक्ष ने स्थानीय मीडिया से बातचीत के दौरान एक सवाल पर कहा कि मुख्यमंत्री कुछ नहीं जानते। आगरा में संग्रहालय इसलिए बन रहा था, ताकि वहां पर्यटन को बढ़ावा मिले। ताजमहल देखने आने वाले लोगों को इस संग्रहालय के बहाने पूरी भारत की संस्कृति के बारे में बताया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पूर्व सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह औरंगजेब की याद में आगरा में एक संग्रहालय का निर्माण कर रही थी, जबकि उनकी सरकार उसी जिले में छत्रपति महाराज शिवाजी की यादों को संरक्षित करने के लिए एक संग्रहालय का निर्माण कर रही है।

मौजूदा हालात पर चर्चा के लिए सत्र बुलाने की अपील, राज्यपाल से मिला कांग्रेसी दल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा को लेकर कांग्रेस ने राज्यपाल से विशेष सत्र बुलाने की अपील की है। जानकारी के अनुसार विपक्षी कांग्रेस ने बुधवार को राज्यपाल अनुसुइया उइके से मिलकर मौजूदा जातीय हिंसा के हालातों की जानकारी देते हुए मुद्दे पर चर्चा के लिए राज्य विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया। कांग्रेस के पांच विधायकों ने अपने विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह के नेतृत्व में बुधवार को राज्यपाल से मुलाकात की और भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 (1) के तहत राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। इस दौरान इबोबी सिंह ने कहा कि मौजूदा संकट पर चर्चा के लिए मणिपुर के लोगों के सर्वोत्तम हित में एक आपातकालीन सत्र बुलाया जाना चाहिए। राज्यपाल को सौंपे गए पांच विधायकों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है, मणिपुर विधानसभा मौजूदा उथल-पुथल पर चर्चा करने और बहस करने के लिए सबसे उपयुक्त मंच है, जिसके लिए सामान्य स्थिति बहाल करने के उपायों के सुझाव पेश किए जा सकते हैं और चर्चा की जा सकती है। इसमें कहा गया है कि समाज के कई अलग-अलग वर्ग और राज्य के लोग संकट पर सदन के आपातकालीन सत्र की मांग कर रहे हैं, इसके बावजूद राज्य सरकार ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।

कांग्रेस विधायकों के पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की अध्यक्षता में मौजूदा राज्य मंत्रिमंडल ने इस मामले पर चर्चा के लिए आपातकालीन सत्र बुलाने के किसी भी अनुरोध या मांग को स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि मणिपुर विधानसभा में विपक्ष (कांग्रेस विधायक दल) के हम पांच सदस्य मणिपुर विधानसभा का आपातकालीन सत्र बुलाने की हमारी तत्काल मांग पर आपके संवैधानिक हस्तक्षेप की मांग करते हैं। ताकि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करनेराष्ट्रपति शासन लगाया जाए

स्वंसेवक, संघ के पुरोधा पुरुष पुरषोत्तम कसेरा अब नही रहें

सूरत भूमि, संवाददाता
मनीष वर्मा, इंदौर।

इन्दौर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पितामह पुरुषोत्तम कसेरा जी का 96 वर्ष की उम्र में आज उनके गहिं नगर देपालपुर में सुबह 4 बजे निधन हो गया ,पुरषोतम जी अपने पीछे भरा पुरा परिवार छोड़कर वैकुंठ धाम गये। 15 वर्ष की आयु से संघ से जुड़े, देश भर में संध की सेंकडो शाखाओं विस्तार के साथ कई बड़ी जिम्मेदारीयां निभाई

अविभाजित भारत के समय रावलपिंडी अब पाकिस्तान में स्वयंसेवक बने मीसाबंदी भी रहे देश भर में संघ की सैकड़ों शाखाओं के विस्तार में अहम योगदान निभाते रहे पुरुषोत्तम वर्मा (कसेरा) उम्र वर्ष 15 साल की उम्र से ही शाखाओं के विस्तार के साथ बड़ी बड़ी जिम्मेदारियां निभाई एक सच्चे निष्ठावान राष्ट्रवादी बनकर अपनी जिंदगी जी और अपने जीवन काल में संघ के जिम्मेदार पदाधिकारी के पद पर रहकर राष्ट्रहित के जनहित के नेक कार्य वो अपनी पुरी निष्ठा से करते रहे उनकी सेवा कार्य को लेकर लाखों देशवासियों के दिलों में अपना घर बना लिया मानव सेवा देश सेवा कार्य करते करते

मणिपुर के बाद झारखण्ड में महिला को नंगा कर पेड़ से बांधकर पीटा

- रात भर नग्नावस्था में पेड़ से बंधी रही महिला

- तस्वीर सामने आने पर पुलिस आयी हरकत में, पीड़िता को बन्धन मुक्त करा अपने कब्जे में ले इलाज हेतु भेजा

गिरिडीह (एजेंसी)। देशभर में इन दिनों अपराधिक घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है। इस कड़ी में झारखण्ड प्रदेश में भी आपराधिक घटनाएं दिनानुदिन बढ़ती ही जा रही है। कई ऐसी घटनाएं सामने आती है जो मानवता को शर्मसार कर देती है। मणिपुर का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि झारखण्ड के गिरिडीह जिले में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला घटित हुआ है। जो काफी शर्मनाक घटना है। गिरिडीह जिले में एक महिला को घर से उठा जंगल ले जाकर उड़के साथ मारपीट की गई। फिर उसकव तन के सारे कपड़े फाड़कर उसे नंगा कर पेड़ में बांध दिया। रात भर महिला नंग धड़ंग पेड़ से बंधी रही। गुरुवार सुबह इस मामले की एक तस्वीर सामने आयी। उसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आयी। घटनास्थल पर पहुंच पुलिस महिला को बन्धन मुक्त करा उसे इलाज हेतु स्थानीय एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

काफी डरी सहमी है महिला

गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र के नावाडीह इलाके में एक महिला को नग्नकर और पेड़ से बांधकर पिटाई किया गया है। बताया जा रहा है कि बीते देर रात लगभग 11 बजे किसी व्यक्ति ने फोन कर महिला को घर से बाहर बुलाया। द्वार खोल महिला के घर बाहर निकलते ही दो युवक उसे अपनी बाइक पर बैठा लिया और उसे घर से लगभग एक किलोमीटर दूर ले गया। जहां उसकी पिटाई कर शरीर में पहने वस्त्र को फाड़ दिया और उसे नंगा कर यूकेलिप्टस के पेड़ में बांध दिया। महिला रात भर पेड़ में बंधी रही। सुबह जब कुछ लोगों की नजर पड़ी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची और महिओआ को इलाज हेतु भर्ती कराया। फिलहाल महिला काफी डरी सहमी है। हालांकि पीड़िता ने कुछ लोगों के नाम पुलिस को बताया है। जिसके आलोक में पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

पुलिस कर रही आरोपियों की तलाश में छापेमारी

मामले में महिला की पेड़ से बांधने की तस्वीर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने महिला को अपने कब्जे में लेकर इलाज के लिए उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं इस मामले में महिला के बयान के आलोक में पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। सूचना है कि इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के परिजनों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ करने में जुटी है।

तीन अगस्त को सुनाया जाएगा फैसला, हाई कोर्ट ने कहा- तब तक जारी रहेगा अंतरिम आदेश

नई दिल्ली। ज्ञानवापी एएसआई सर्वे मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीसरे दिन सुनवाई हुई। सभी पक्षों को सुनने के बाद इलाहबाद हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर ने कहा कि फैसला 3 अगस्त को सुनाया जाएगा। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि अंतरिम आदेश 3 अगस्त तक जारी रहेगा। यानी एएसआई सर्वे पर स्टे 3 अगस्त तक जारी रहेगा। आज सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पूछा कि अब, मुख्य निर्णय कौन सा है जिस पर आप भरोसा कर रहे हैं। जवाब में हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मुख्य मामले जिनका मैंने कल हवाला दिया था। मुद्दा यह है कि अंजुमन इंतेजामिया के वरिष्ठों द्वारा जो भी निर्णय उद्धत किए गए थे, उन पर इस अदालत ने अविश्वास किया है? सीजे ने अब जैन से अपनी दलीलें संक्षेप में बताने को कहा। जैन ने वरिष्ठ वकील नकवी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने श्रीकांत मूलचंद मामले का हवाला दिया था, लेकिन इस अदालत ने कहा है कि फैसला गलत था। यह हर मामले में पालन किया जाने वाला नियम नहीं है।

अंजू का एक और वीडियो वायरल, नसरुल्लाह के दोस्तों संग कर रहीं डिनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पकिस्तानी युवक से शादी करने वाली भारतीय लड़की अंजू का एक और वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। इसमे वह प्रेमी नसरूल्लाह के दोस्तों संग डिनर करती नजर आ रहीं हैं। गौरतलब है कि भारत से पाकिस्तान गई अंजू इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई है। इस वीडियो में वो अपने प्रेमी नसरुल्लाह और उसके कुछ दोस्तों के साथ खाना खाती हुई नजर आ रही है। इस वायरल वीडियो में अंजू, नसरुल्लाह और उसका दोस्त व ब्लॉगर नोमी खान के अलावा कई अन्य लोग भी एक ही टेबल पर खाना खाते दिख रहे हैं। इस वीडियो को पाकिस्तानी चैनल के पत्रकार दिलीप कुमार खत्री ने शेयर किया है। हालांकि राजस्थान के अलवर से अपने फेसबुक फ्रेंड नसरुल्लाह से मिलने पाकिस्तान गई अंजू की सुरक्षा के लिए पुलिस टीम घर पर लगाई गई है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के ऊपरी दीर जिले के एसपी ने कहा था कि अंजू के भारत से आने के बाद उससे पूछताछ की गई है। हालांकि उन्होंने अंजू को 21 अगस्त से पहले भारत भेजने के लिए नसरुल्लाह को पाबंद किया गया है। गौरतलब है कि अंजू अपने फेसबुक फ्रेंड नसरुल्लाह से मिलने के लिए अपने पति और दो बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान पहुंची हुई है। हालांकि अंजू ने पाकिस्तान जाने के लिए गुपचुप प्लान बनाया था।

ताज्जुब तो इस बात का है कि अंजु ने पाकिस्तान जाने की बात की भनक अपने पति को भी नहीं लगने दी। हाल ही में अंजू का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें वो अपनी सोसाइटी से बैग लेकर बाहर जाती हुई दिख रही है। वहीं पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अंजू ने नसरुल्लाह से निकाह कर लिया है। उसके निकाहनामा की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इस बात की पुष्टि खुद मालकुंड डिवीजन के डीआईजी नासिर महमूद दस्ती ने की है। जबकि निकाह की बात को अंजू और नसरुल्लाह ने गलत बताया है। दोनों का कहना है कि हमने निकाह नहीं किया है। वहीं मीडिया को डीआईजी नासिर महमूद दस्ती ने बताया कि अंजू ने अपना धर्म बदल लिया है, जिसके बाद अंजू ने अपना इस्लामिक नाम फातिमा रख लिया है।

डीआईजी के मुताबिक अंजू और नसरुल्लाह की शादी जिला अदालत में 25 जुलाई हुई है।अब देखना यह है कि इसमें कितनी सच्चाई है।

विपक्षी दलों के बारे में रिपोर्टिंग करने पर पत्रकार को सजा

तल्लिन । विपक्षी दलों के बारे में रिपोर्टिंग के आरोप में बेलारूस के मशहूर पत्रकार को छह साल की जेल की सजा सुनाई गई है। विपक्षी दलों से संबंधित व्यक्तियों, स्वतंत्र पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक साल से जारी मुहिम में यह हालिया घटना है। पश्चिम बेलारूस में ग्रोडनो शहर में सुनवाई के दौरान पैवेल माजिका (45) पर विपक्षी राजनीतिक दल की गतिविधियों की कवरेज के लिए 'चरमपंथी गतिविधि में संलिप्तता' का आरोप लगा है। माजिका पर 'बेलसैट टीवी' सहित समाचार आउटलेट के लिए काम करने का आरोप है। 'बेलसैट टीवी' के द्वारा बेलारूस में प्रसारण होता है,लेकिन उसका आधार पोलैंड में है। बेलारूस के अधिकारियों ने 'बेलसैट' को 'चरमपंथी' घोषित किया हुआ है। वकील यूलिया युरहिलविच (42) को भी बेलारूस के राजनीतिक कैदियों, विशेष रूप से असंतुष्ट कलाकार एलेस पुश्किन के बारे में माजिका को जानकारी देने का आरोप में छह साल की सजा हुई थी। पुश्किन की बेलारूसी जेल में इस माह की शुरुआत में मौत हो गई थी। युरहिलविच 18 साल से वकालत कर रही हैं, और वे मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के लिए लड़ती हैं। माजिका ने कहा, यह कोई मुकदमा नहीं है, बल्कि बेतुकेपन का रंगमंच है, सूचना प्रसारित करने के लिए एक पत्रकार और एक वकील पर मुकदमा चलाया जा रहा है। माजिका बेलारूस की एक जानी-मानी हस्ती हैं। 2006 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एलेक्जेंडर मिलिनकेविच का प्रेस सचिव बनने से पहले 2002 में उन्हें 'राष्ट्रपति की निंदा करने' के आरोप में दो साल जेल की सजा सुनाई गई थी। माजिका ने बेलारूस और पोलैंड दोनों में प्रमुख स्वतंत्र समाचार आउटलेट के लिए काम किया है, कई कार्यक्रमों की मेजबानी की है और 'बेलसैट टीवी' के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य किया।

रूसी रक्षा मंत्री से किम जोंग उन ने की मुलाकात

सियोल । उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने सैन्य मुद्दों और क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल पर चर्चा के लिए रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात की। सरकारी मीडिया ने बताया कि देश 1950-53 के युद्धविराम की 70वीं वर्षगांठ मना रहा है। सरकारी मीडिया ने बताया कि किम और शोइगु की मुलाकात बुधवार को राजधानी प्योंगयांग में हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने 'राष्ट्रीय रक्षा तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को लेकर आपसी चिंता के मामलों' पर सहमति व्यक्त की। हालांकि, रिपोर्ट में नहीं बताया गया कि दोनों ने क्या चर्चा की। बताया जा रहा हैं किम शोइगु को एक हथियार प्रदर्शनी में भी ले गए, जहां उत्तर कोरिया के कुछ नए हथियारों को रखा गया था। किम ने शोइगु को देश की सैन्य क्षमताओं का विस्तार करने की राष्ट्रीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शोइगु ने उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री कांग सुन नाम के साथ भी बातचीत की, जिसका उद्देश्य 'दोनों देशों के रक्षा विभागों के बीच सहयोग को मजबूत करना' था।

ब्रिटेन में भारतीयों से प्रताड़ित होने का अभिनय करने की सलाह दे रहे वकील : रिपोर्ट

लंदन। ब्रिटेन में आव्रजन वकील व ?लाइंट्स को बता रहे हैं कि ब्रिटेन में रहने का अधिकार हासिल करने के लिए अधिकारियों से कैसे झूठ बोला जाए और इसके लिए 10 हजार पाउंड वसूल रहे हैं। 1983 में श्रीलंका से ब्रिटेन आए एक वकील वी.पी. लिंगजोथी ने एक अंडरकवर मेल रिपोर्टर से ब्रिटेन में शरण पाने के लिए यह दिखावा करने के लिए कहा कि वह एक खालिस्तानी समर्थक है उसके साथ भारत में दुर्व्यवहार किया गया और उसे प्रताड़ित किया गया। अंडरकवर रिपोर्टर ने खुद को पंजाब के एक किसान के रूप में पेश किया, जो हाल ही में ब्रिटेन पहुंचा है। एक खबर के मुता ?बिक आप कह सकते हैं कि भारत सरकार ने आप पर खालिस्तानी समर्थक होने का आरोप लगाया, आपको हिरासत में लिया गया, गिरफ्तार किया गया और आपके साथ दुर्व्यवहार किया गया, प्रताड़ित किया गया, यौन उत्पीड़न किया गया। इसीलिए आप शादी नहीं कर सके और आप निराश थे, आप आत्महत्या करना चाहते थे। इसलिए भाग कर ब्रिटेन पहुंचे। वकील ने इस कहानी के लिए उससे 10 हजार पाउंड की मांग की। एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहानी का समर्थन करने के लिए एक डॉक्टर की रिपोर्ट देने का भी वादा किया और मनोवैज्ञानिक आघात के सबूत के रूप में गृह मंत्रालय को दिखाने वाली अवसाद रोधी दवाएं भी पेश कीं। एक अन्य फर्म में, जहां अंडरकवर रिपोर्टर गया था, वकील ने कहा कि उसे यह दिखाने के लिए साक्ष्य बनाना होगा कि प्रवासी को घर लौटने पर उत्पीड़न और हत्या का डर है। एक अन्य वकील ने कहा कि वह इसका इस्तेमाल यह दिखाने के लिए करेंगे कि अंडरकवर रिपोर्टर को भारत में अपनी जान का खतरा है, इसमें सरकार विरोधी राजनीतिक निष्ठा, गलत जाति के किसी व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध या समलैंगिक होना जैसे कारण शामिल होंगे।

ब्रिटेन के जिम स्की बने आईपीसीसी के नए अध्यक्ष

लंदन। ब्रिटेन के जिम स्की जलवायु परिवर्तन विज्ञान का आकलन करने वाली संयुक्त राष्ट्र संस्था इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के नए अध्यक्ष बनाए गए हैं। आईपीसीसी ने एक बयान में कहा कि स्की को थेल्मा क्रुग के मुकाबले में 69 के मुकाबले 90 वोटों से चुना गया। स्की ने आईपीसीसी चुनावों में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों को अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन हमारे ग्रह के अस्तित्व के लिए खतरा है। मेरी आकांक्षा एक ऐसे आईपीसीसी का नेतृत्व करने की है, जो वास्तव में प्रतिनिधि और समावेशी हो, एक आईपीसीसी जो वर्तमान में हमारे पास मौजूद अवसरों का दोहन करते हुए भविष्य की ओर देख रहा हो। एक आईपीसीसी जहां हर कोई महसूस करता है कि उसे महत्व दिया जाता है और उसकी बात सुनी जाती है। इसमें मैं तीन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाऊंगा- समावेशिता और विविधता में सुधार, आईपीसीसी मूल्यांकन रिपोर्ट की वैज्ञानिक अखंडता और नीति प्रासंगिकता की रक्षा करना, और जलवायु परिवर्तन पर सर्वोत्तम उपलब्ध विज्ञान का प्रभावी उपयोग करना। आईपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्य सुनिश्चित करेंगे कि ये आकांक्षाएं साकार हों। चुनाव केन्या के नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के मुख्यालय में हुआ, जहां आईपीसीसी अपना 59वां सत्र आयोजित कर रहा है।

यूक्रेनी सुरक्षा सेवा ने पिछले बार क्रीमिया पुल पर हमले की बात स्वीकारी

कीव । पहली बार यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने पिछले साल 22 अक्टूबर को केर्च ब्रिज पर हुए हमले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है, जो कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप को रूसी मुख्य भूमि से जोड़ता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में यहां एक समारोह में सुरक्षा सेवा के प्रमुख वासिल माल्युक के हवाले से कहा ?कि क्रीमियन पुल का विनाश हमारी उपलब्धियों में से एक है। एसबीयू अधिकारी दुश्मन को नष्ट कर रहे हैं और अपनी भूमि को मुक्त कराने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। एसबीयू प्रमुख की यह टिप्पणी उप रक्षा मंत्री हन्ना मलियार के इस महीने की शुरुआत में देश की सेना द्वारा पुल को उड़ाने का संकेत देने के बाद आई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा आक्रमण शुरू करने के बाद से 12 यूक्रेनी उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया था और कहा था कि 273 दिन पहले, हमने रूसी रसद को बाधित करने के लिए क्रीमिया पुल पर पहला हमला किया था। हालांकि, यूक्रेनी सरकार ने आधिकारिक तौर पर हमले का दावा नहीं किया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने अक्टूबर 2022 में हुए विस्फोट का जश्न मनाया लेकिन जिम्मेदारी का स्पष्ट दावा नहीं किया था। 17 जुलाई को, पुल पर फिर से दो हमले हुए, इसके लिए एक यूक्रेनी सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कीव जिम्मेदार है।

प्योंगयोंग में एक कार्यक्रम में बच्चों से मिलते हुए उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन।

अल्पसंख्यक तमिलों के मामले में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बुलाई बैठक

कोलंबो । श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि द्वीपीय देश में अल्पसंख्यक तमिलों के जातीय मेल-मिलाप के जटिल मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए सभी राजनीतिक दलों को चर्चा में भाग लेना चाहिए क्योंकि संविधान के 13वें संशोधन (13ए) का पूर्ण क्रियान्वयन पूरे देश के लिए अहम है। विक्रमसिंघे मुद्दे पर चर्चा करने के लिए आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत की यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चर्चा करने के बाद यह बैठक बुलाई। राष्ट्रपति द्वारा बैठक सरकार के राष्ट्रीय सुलह कार्यक्रम और इसकी आगे की राह पर चर्चा के लिए बुलाई गई। दिल्ली यात्रा से पहले, विक्रमसिंघे ने तमिल पार्टियों के साथ बैठक में सर्वदलीय सहमति के साथ श्रीलंकाई संविधान के 13वें संशोधन (13ए) को प्रांतों को पुलिस शक्ति दिए बिना पूर्ण रूप से लागू करने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्य तमिल पार्टी 'टीएनए' और मुख्य विपक्षी दल समागी जन बलवेगया (एसजेबी) सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने बैठक में हिस्सा लिया। कुछ दलों ने बैठक को विक्रमसिंघे की राजनीतिक नौटंकी बताया था। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि 13(ए) का पूर्ण क्रियान्वयन पूरे देश के लिए अहम है इसलिए सभी राजनीतिक दलों को वार्ता में भाग लेना चाहिए। सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेने के मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि श्रीलंका का विपक्ष बंटा हुआ है। राष्ट्रीय सुलह पर सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी राजनीतिक दलों और स्वतंत्र समूहों के नेताओं को निमंत्रण दिया गया, इनमें से कुछ विपक्षी नेताओं ने दावा किया है कि इस बैठक के एजेंडे के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

नाटो के दरवाजे पर रूस क्यों तैनात कर रहा परमाणु हथियार? पुतिन के कर दिया ऐलान

कीव (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध की आग और भड़क सकती है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की माने तो अपने पड़ोस बेलारूस में परमाणु हथियार भेज दिए हैं। पुतिन का एटमी हथियार यूक्रेन के करीब और नाटो के दरवाजे पर दस्तक देता नजर आ रहा है। अपने पड़ोसी और वफादार सहयोगी के क्षेत्र में रूसी हथियारों की घोषित तैनाती यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर क्रेमलिन की परमाणु एक्शन की एक झलक के साथ ही पश्चिम को कीव को सैन्य समर्थन बढ़ाने से हतोत्साहित करने की एक और कोशिश है। न तो पुतिन और न ही उनके बेलारूसी समकक्ष अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने बताया कि कितने हथियारों को स्थानांतरित किया गया। केवल यह कि देश में सोवियत-युग की सुविधाएं उन्हें समायोजित करने के लिए तैयार की गई थीं और बेलारूसी पायलटों और मिसाइल क्रू को उनका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित है। जबकि कुछ विशेषज्ञ पुतिन और लुकाशेंको के दावों पर संदेह करते हैं, दूसरों का कहना है कि पश्चिमी खुफिया ऐसे कदमों की निगरानी करने में असमर्थ हो सकते हैं।

इस महीने की शुरुआत में सीएनएन ने अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाले से कहा कि उनके पास बेलारूस को हथियारों की पहली खेप की डिलीवरी के बारे में पुतिन के दावे पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है और कहा कि अमेरिका के लिए उन्हें ट्रैक करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बम, मिसाइलों और तोपखाने के गोले पर उपयोग किया जाता है, इन्हें ट्रक या विमान पर सावधानी से ले जाया जा सकता है। मिन्स्क स्थित एक स्वतंत्र सैन्य विश्लेषक अलियाक्सांद्र एलेसिन ने कहा कि हथियारों में ऐसे कंटेनरों का उपयोग किया जाता है जो कोई विकिरण उत्सर्जित नहीं करते हैं और पश्चिमी खुफिया जानकारी के बिना इसे बेलारूस में उड़ाया जा सकता था।

चीन के बाद अब अमेरिका के मीट बाजार से खतरनाक महामारी आने की चेतावनी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। चीन से कोविड19 महामारी आने के आद अब अमेरिका के मीट बाजार से खतरनाक महामारी आने की चेतावनी दी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमेरिका में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली वैश्विक महामारी अमेरिका से आ सकती है। हार्वर्ड लॉ स्कूल और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट में इंसान, जानवरों और जंगली जानवर के आपसी संपर्क की जांच के बाद कई खतरनाक बातें कही गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफ्रीका और एशिया के कुछ देशों में कई बीमारियां जानवरों की वजह से फैली हैं जिसमें एचआईवी/एड्स, इबोला, जीका, फ्लू और कोविड-19 शामिल हैं। इन जेनेटिक बीमारियों के लिए अक्सर गंदगी, संसाधनों में कमी या फिर उन जगहों पर असुरक्षित तरीकों को दोषी ठहराया जाता है। मगर अब अमेरिका की वजह से भी लोगों को खतरनाक बीमारियां मिल सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई अमेरिकी अक्सर सोचते हैं कि उनके देश में ऐसा नहीं हो सकता है। लेकिन इस देश में नियम इतने कमजोर हैं कि कोई एक वायरस या दूसरी कोई संक्रामक बीमारी आसानी से अमेरिका में जानवरों से लोगों तक पहुंच सकती है जो कि महामारी में तब्दील हो सकती है।

रिपोर्ट को तैयार करने वालों में से एक एन लिंडर ने कहा कि वास्तव में सुरक्षा की यह झूठी भावना और निराधार विश्वास है कि जेनेटिक रोग कुछ ऐसा है जो बाकी जगहों पर है और अमेरिका में नहीं हो सकता। जबकि, मुझे लगता है कि हम कई मायनों में पहले से कहीं ज्यादा असुरक्षित हैं। रिपोर्ट में जोखिम के कई बिंदुओं पर भी बात की गई है जिसमें कमर्शियल फार्म सबसे ऊपर हैं। यह वह जगह है जहां पर लाखों जानवर एक-दूसरे और उनके संचालकों के निकट संपर्क में आते हैं। इस वजह से जंगली जानवरों से कोई इनफेक्शन आसानी से इनमें आ सकता है।

टोक्यो में कभी नहीं आ सकता बाढ़, दिल्ली इससे क्या सीख सकती है?

(एजेंसी)। जुलाई की शुरुआत में अभूतपूर्व मूसलाधार बारिश ने दिल्ली शहर को ठप कर दिया, समस्या इतनी गंभीर हो गई कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों की रविवार की छुट्टी रद्द करनी पड़ी। अत्यधिक बारिश के कारण होने वाली एक बार की घटना के बजाय भारी बारिश के दौरान जलभराव आम बात हो गई है। थोड़े ही समय में दिल्ली में दो चरम स्थितियां देखी गईं, गर्मियों के दौरान पानी की कमी और मानसून के दौरान अत्यधिक पानी, जिससे ठीक से निपटा नहीं जा सका। महीने के शुरुआती हिस्से में होने वाली बारिश को 153 मिमी (आईएमडी डेटा) की ऐतिहासिक 24 घंटे की बारिश के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

जुलाई के लिए सामान्य औसत वर्षा केवल 209.7 मिमी है। हालाँकि, जुलाई में वर्षा पिछले तीन वर्षों में सामान्य से अधिक हो गई है, जो क्रमशः 2020, 2021 और 2022 के दौरान 236.9 मिमी, 507.1 मिमी, 286.3 मिमी दर्ज की गई है। यह स्पष्ट रूप से ऐतिहासिक वर्षा की घटनाओं की प्रवृत्ति को दर्शाता है जो जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ गई है। तो फिर दिल्ली हर साल क्यों डूबती है जबकि जलवायु संबंधी अनिश्चितताएँ जगजाहिर हैं? इसका उत्तर बहुआयामी है और इसे किसी एक समस्या की ओर प्लाइंट आउट करके नहीं समझा जा सकता है।

खराब जल निकासी अवसंरचना: दिल्ली-एनसीआर टोक्यो के बाद दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहरी समूह (यूए) है। फिर भी राजधानी में एक पुराना जल निकासी मास्टरप्लान है जो 1976 का है जब शहर की आबादी सिर्फ 50 लाख थी, जो तब से चार गुना बढ़ गई है। हालाँकि आईआईटी दिल्ली ने 2018 में ड्रेनेज मास्टरप्लान प्रस्तुत किया था, लेकिन इसे 2021 में दिल्ली सरकार द्वारा अत्यधिक सामान्य प्रकृति के कारण स्थगित कर दिया गया था। दिल्ली में तीन प्रमुख प्राकृतिक नाले हैं, अर्थात् ट्रांस-यमुना, बारापुला और नजफगढ़। इन नालियों का उद्देश्य बारिश के दौरान अतिरिक्त पानी ले जाने और भूजल को रिचार्ज करने में मदद करने के लिए स्ट्रॉर्म वॉटर नेटवर्क के रूप में कार्य करना था। नालियों के किनारे कचरे का ढेर, सीवेज और अपशिष्टों का अवैध निर्वहन और कचरे से जाम होना भी इन समस्याओं को बढ़ाता है, जिससे जल निकासी नेटवर्क एक बदबूदार 'नाला' बन जाता है।

नीजर में तख्तापलट...राष्ट्रपति बजौम को पत्नी सहित बंधक बनाया

-देश में सेना का शासन शुरु

नियामी (एजेंसी)। अफ्रीकी देश नीजर में सैनिकों ने राष्ट्रीय टीवी पर तख्तापलट की घोषणा कर दी है। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति गार्ड के प्रमुख के साथ बातचीत रुकने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को पत्नी के साथ उनके आवास पर बंधक बना लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टीवी घोषणा में, कर्नल मेजर अमादौ अब्द्रमाने ने कहा हम, रक्षा और सुरक्षा बलों ने... उस शासन को समाप्त करने का फैसला किया है जिसे आप जानते हैं। यह सुरक्षा में लगातार गिरावट और खराब आर्थिक और सामाजिक शासन के चलते करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संविधान को भंग कर दिया है, सभी संस्थानों को निलंबित कर देश की सीमाओं को सील कर दिया है। साथ ही कहा कि मंत्रालयों के प्रमुख रोजाना के कामकाज देखने वाले हैं। कर्नल मेजर अब्द्रमाने ने कहा, सभी साझेदारों से हस्तक्षेप न करने के लिए कहा गया है...स्थिति ठीक होने तक हवाई सीमाएं बंद रहेंगी। उन्होंने कहा कि रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक रात का कर्फ्यू लगाया गया है, अगली सूचना तक। उन्होंने कहा कि सैनिक नेशनल काउंसिल फॉर द सेफगार्ड ऑफ द होमलैंड (सीएनएसपी) के लिए काम कर रहे हैं।

इस बीच, नीजर के राष्ट्रपति परिसर को फिलहाल सील कर दिया गया है। देश के आंतरिक मंत्री हमादौ सौले को भी राष्ट्रपति गार्ड द्वारा गिरफ्तार कर बजौम के साथ रखा गया है। बाद में सैकड़ों प्रदर्शनकारी बजौम के समर्थन में नियामी में एकत्र हुए। रिपोर्ट के अनुसार, जब प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति भवन से लगभग 300 मीटर दूर थे, तब राष्ट्रपति गार्डों ने उनके आगे बढ़ने से रोकने के लिए फायरिंग की। प्रदर्शनकारियों की संख्या 400 के आसपास आंकी गई है। कुछ के हाथ में बजौम की तस्वीरें और तख्तियां थीं जिन पर लिखा था-गणतंत्र की संस्थाएं अस्थिर करने के लिए नहीं हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिकों की टीवी पर घोषणा के बाद, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने राष्ट्रपति बज़ौम की रिहाई का आह्वान किया। उन्होंने न्यूजीलैंड में कहा कि यह स्पष्ट रूप से बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करने और संविधान को बाधित करने का प्रयास है। इस स्थिति की व्यापक निंदा हुई है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में तख्तापलट के प्रयास की कड़ी निंदा की। बयान के अनुसार, महासचिव नीजर की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। वह बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करने और देश में लोकतांत्रिक शासन, शांति और स्थिरता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इसमें शामिल सभी पक्षों से संयम बरतने और संवैधानिक व्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र नीजर की सरकार और लोगों के साथ खड़ा है।

यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने लोकतंत्र को अस्थिर करने और नीजर की स्थिरता को खतरे में डालने के किसी भी प्रयास की निंदा की। उधर फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि वे नीजर की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के कामकाज को बाधित करने के किसी भी प्रयास की कड़ी निंदा करते हैं।

रहस्यमय ग्रह निबिरू की धरती से होगी टक्कर तो महाप्रलय निश्चित आएगा

-वैज्ञानिकों और भौतिकविदों के बीच चल रहा विवाद, ज्यादातर ने घटना को नकारा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक रहस्यमय ग्रह निबिरू की धरती से जोरदार टक्कर होगी और महाप्रलय हो जाएगा। यह चर्चा इन दिनों वैज्ञानिकों और भौतिकविदों के बीच जोर पकड़ रही है। हालांकि ज्यादातर ने इसे पूरी तरह से नकार दिया है। गौरतलब है कि प्लैनेट एक्स के नाम से जाना जाने वाला रहस्यमय खगोलपिंड कई वर्षों से प्रलय के सिद्धांत देने वालों और वैज्ञानिकों के बीच विवाद का विषय रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बात की बेहद कम संभावना है कि यह ग्रह पृथ्वी से टकरा जाए। निबिरू को प्रलय के रूप में संदर्भित किए जाने वाले एक महाविनाश की भविष्यवाणी कुछ लोग करते हैं। इसमें एक विशाल रहस्यमय ग्रह पृथ्वी से टकराता है, जिससे सर्वनाश हो जाता है। हालांकि कई लोग इस रहस्यमय प्लैनेट एक्स के अस्तित्व को ही पूरी तरह से नकारते हैं। लेकिन एक भौतिक विज्ञानी का कहना है कि इस तरह की टक्कर को पूरी तरह खारिज करना उचित नहीं होगा। हालांकि 1995 में इसे प्रस्तावित किया गया था। सभी वैज्ञानिकों का आम तौर पर यही मत है कि ऐसी कोई विनाशकारी मुठभेड़ नहीं होने वाली है। इसमें नील डेग्रेस टायसन सहित वह विशेषज्ञ भी हैं जो प्लैनेट एक्स के अस्तित्व को खारिज करते हैं।

हालांकि इसे 9वें ग्रह के रूप में भी जाना जाता है। जानकार बताते हैं कि निबिरू का उल्लेख प्राचीन सुमेरियन मिट्टी की पट्टियों पर किया गया है। किंवदंती के मुताबिक यह शुरुआती सौर मंडल से टकराया और फिर से गायब होने से पहले एस्टेरॉयड बेल्ट और पृथ्वी का निर्माण किया। इस मामले में एस्टन यूनिवर्सिटी में विज्ञान के विजिटिंग भौतिकी प्रोफेसर रॉबर्ट मैथ्यूज ने 2018 में निबिरू से जुड़े भय का संक्षिप्त लेकिन स्पष्ट विश्लेषण किया था। उन्होंने कहा कि यह सच है कि सौर मंडल से दूर विफल तारे छिपे हुए हैं, जिन्हें भूरे रंग के बौने के रूप में जाना जाता है। यह मुश्किल से बृहस्पति ग्रह से बड़े हैं। हालांकि इनमें से किसी के साथ एक विनाशकारी मुठभेड़ की संभावना बेहद कम है। कुछ इसी तरह लेखिका नैन्सी लीडर ने 1995 में दावा किया था कि एलियन ने उनसे संपर्क किया है। उनके मन में पहली बार यह विचार आया था कि निबिरू पृथ्वी से टकरा सकता है। उन्होंने और उनके फॉलोवर्स ने दावा किया था कि दुनिया 2003 में खत्म हो जाएगी। जब 2003 में प्रलय नहीं आया तो तारीखों को और आगे बढ़ा दिया गया। इसे 21 जून 2020 कर दिया गया। हालांकि ऐसा कुछ भी हुआ नहीं।

समझनी ही होगी प्रकृति की मूक भाषा

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

योगेश कुमार गोयल

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है।

प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हमें यह भली-भांति जान लेना चाहिए कि इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्यम्भावी है। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? चर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ण पुस्तक में बताया गया है कि प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के

साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

संपादकीय

नाम तो काम से ही

नाम पर घमासान मचा हुआ है। 2024 के लोकतांत्रिक महाभारत में अभी लंबा समय है। लेकिन पक्ष-विपक्ष ने जैसे ठान रखा है कि असली चुनावी लड़ाई गठबंधन के नाम पर होनी है। इसके ईद-गिर्द ही आक्रमण के मुद्दे तय होंगे, नारे गढ़े जाएंगे, जुमले उछाले जाएंगे और वार-प्रतिवार के औजार ईजाद किए जाएंगे। इस तरह नाम को जो तार-तार कर देगा, उसकी जीत पक्की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कांग्रेस समेत 26 राजनीतिक दलों के ताजा बने गठबंधन 'इंडिया' पर हमलावर हैं। इस कदर कि वे उस पर बाण छोड़ने का कोई मौका नहीं चूकते। विपक्ष के लिए तो मोदी अकेले ही पूरा मुद्दा हैं। उसने 'इंडिया' नाम मोदी और एनडीए को उनके ही दांव-पेच से चित करने के लिए रखा है। यह मोदी को भारत की अवधारणा का सबसे बड़ा 'खलनायक' घोषित कर सारी लड़ाई को मोदी बनाम पूरे देश का नैरेटिव बनाने के मकसद से किया गया है। उसके अनुरूप ही यह नाम नैसर्गिक रूप से मतदाताओं में खिंचाव पैदा कर रहा है। मोदी के आवर्ती प्रतिवार में इसलिए तेज धार और मारकता है। विपक्ष मोदी के वार को बोनस मान रहा है। प्रधानमंत्री विपक्ष के 'इंडिया' को देश को गुलाम बनाने वाली ईस्ट इंडिया कंपनी के समानुरूप करार देते हैं। वे वोटरों के जेहन में यह बात गहरे बैठाना चाहते हैं कि यह गठबंधन ऐसा गिरोह है, जिसका इतिहास जनता के सपनों की लूट का रहा है। वे कांग्रेस की अगुवाई वाले यूपीए-काल में सार्वजनिक धन की चौतरफा लूट की कड़वी याद दिलाना चाहते हैं। प्रतिपक्ष पर बढ़त बनाने के लिए दोनों पक्ष एक दायरे में कुछ भी बोल सकते हैं पर उन्हें यह भी समझना होगा कि ठोस कार्यक्रमों के बिना केवल नाम के सहारे नैया पार नहीं लगेगी। एनडीए को समझना होगा कि 'इंडिया' पर उसका वार दोधारी तलवार की तरह काम करेगा। एक तो हमारा देश ही इंडिया है। दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में कई ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जिनके आदि या अंत में इंडिया आता है। इसलिए एनडीए को यह आरोप लगाने की भी सुविधा नहीं है कि विपक्ष जिस देश की बात कर रहा है, उस इंडिया में केवल अमीर लोग रहते हैं, और असल भारत की अकेली चिंता वही कर रहा है। 'इंडिया' वालों ने नाम के आगे 'जीतेगा भारत' लिखकर उससे यह नैरेटिव भी छीन लिया है। इसलिए विपक्ष को पटखनी देने के लिए एनडीए को और अखाड़ा खोजना होगा। यह मुश्किल भी नहीं है। बस अपना रिपोर्ट कार्ड ठीक करना है-मणिपुर उसका पहला चरण होगा। काम के बिना नाम-वाम कहां चल पाता है।

60 साल में लोकसभा में पेश हुए 28 अविश्वास प्रस्ताव

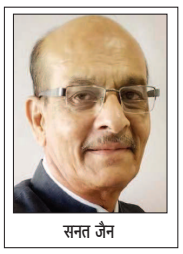

सनत जैन

भारतीय संसद में अविश्वास प्रस्ताव, पिछले 60 वर्षों में 28 वीं बार लाया गया है। विपक्षी दल जब सरकार उनकी बात सुनती नहीं है, या विपक्ष सरकार के कामकाज को लेकर सत्ता पक्ष पर हमलावर होता है। उस समय अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से विपक्ष अपनी बात बेहतर तरीके से सदन के सामने रख पाता है। अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से अभी तक केवल एक बार ही केंद्र सरकार गिरी है। वर्ष 1979 में मोरारजी देसाई की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। मतदान के पहले ही मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। यह अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस की ओर से वाईबी चव्हाण द्वारा प्रस्तुत किया गया था। वहीं 1992 में पीवी नरसिम्हा राव के 5 साल के कार्यकाल में 3 बार अविश्वास प्रस्ताव आये। पहला अविश्वास प्रस्ताव जसवंत सिंह ने 1992 में पेश किया था। जिसमें 46 मतों के अंतर से सरकार अविश्वास प्रस्ताव को गिराने में सफल रही। वहीं 1993 में दूसरा अविश्वास प्रस्ताव अटल बिहारी बाजपेई के द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस को बचाने में सरकार सफल रही। 1993 में तीसरी बार पीवी नरसिंहराव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। तब झारखंड मुक्ति मोर्चा के लोकसभा सदस्यों ने सरकार को समर्थन दिया, और सरकार अविश्वास प्रस्ताव में हुए मतदान में 14 मतों से जीत गई। नोट देकर वोट लेने का आरोप नरसिंहराव सरकार पर,उस समय विपक्ष ने लगाया था. इसकी जांच भी हुई बाद में मामला अदालत तक गया था।

सरकार के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव संसद के नियम 198 के तहत लाया जा सकता है। 1952 में इस नियम में 30 लोकसभा सदस्यों के समर्थन का प्रावधान था। जो अब बढ़कर 50 सदस्यों के समर्थन जरूरी हो गया है। अविश्वास प्रस्ताव मूल रूप से विपक्ष जब अपनी बात बड़े आक्रमक तरह से सरकार के पास पहुंचाना चाहता है। सरकार उसकी बात सुनने को तैयार नहीं होती है। विपक्ष अमूमन अविश्वास प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हो। सरकार को बेहतर तरीके से सदन में घेरा जा सके। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव लाता है। देश का पहला अविश्वास प्रस्ताव 1963 में जवाहरलाल नेहरु की सरकार के खिलाफ आया था। उस समय चीन से हुए युद्ध में भारत की हार हुई थी। 1964 से लेकर 1975 तक 15 अविश्वास प्रस्ताव संसद में प्रस्तुत हुए। इनमें से तीन पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के खिलाफ थे। सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ पेश हुए हैं। जिनकी संख्या 15 है। भारतीय संसद के इतिहास में सबसे लंबी 24 घंटे की चर्चा अविश्वास प्रस्ताव पर 1964 में हुई थी। जब प्रधानमंत्री के पद पर लाल बहादुर शास्त्री थे। अटल बिहारी वाजपेई सरकार के खिलाफ 2003 में सोनिया गांधी ने अविश्वास प्रस्ताव रखा था। 189 के मुकाबले 314 मतों के अंतर से सदन में अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया था।

अविश्वास प्रस्ताव की तरह विश्वास प्रस्ताव का भी प्रावधान संसद के नियमों में है। विश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद तीन सरकारों को पराजय का सामना करना पड़ा। विश्वास प्रस्ताव में जो सरकारें सदन में गिर गई। उनमे 1990 में वीपी सिंह की सरकार, 1997 में एचडी देवघोड़ा की सरकार, 1999 में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार, विश्वास मत सदन में हासिल नहीं कर पाई। जिसके कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद खोना पड़ा।

अभी जो अविश्वास प्रस्ताव इंडिया द्वारा लाया गया है. इसे कांग्रेस के एक सांसद द्वारा प्रस्तुत किया गया है. विपक्षी दलों में शामिल जो 26 राजनीतिक दल इंडिया में शामिल है. इंडिया के सभी दलों ने अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया है। यह माना जाता है, कि अविश्वास प्रस्ताव पेश होने के बाद सदन में सरकार जल्द से जल्द चर्चा करा लेती है। अविश्वास प्रस्ताव पेश होने के बाद यह माना जाता है, कि सरकार नैतिकता के आधार पर कोई भी कामकाज नहीं कर सकती है। अभी तक जितने भी अविश्वास प्रस्ताव पेश हुए हैं। उनमें परंपरा के अनुसार 24 घंटे के अंदर ही प्रस्ताव पर चर्चा सदन के अंदर कराई गई है। यह पहला मौका है, अभी तक इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष ने कोई निर्णय नहीं किया है। जिसके कारण पहली बार अविश्वास प्रस्ताव में चर्चा को लेकर, अविश्वास विपक्ष के बीच में बना हुआ है। निश्चित रूप से विपक्ष द्वारा जो अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। उससे सरकार को कोई खतरा नहीं है। लेकिन इतना तय है, कि सरकार को अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से विपक्ष के सवालों का जवाब देना जरूरी हो जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं रहा, सरकार बहुत सारे मामले में विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब ना देकर ही अपना बचाव कर लेती है। लेकिन विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दे संसद की कार्यवाही में रिकॉर्ड हो जाते हैं। इस तरह के दर्जनों उदाहरण केंद्र एवं राज्यों में कई बार देखने को मिले हैं। हां मणिपुर की घटना को लेकर विपक्ष इस बार जो अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है। उसको लेकर विपक्ष जरूर उत्साहित है। इसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में अवश्य पड़ेगा। उससे विपक्ष लाभान्वित होगा।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते होः प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!ह्ण झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

मुद्दा ःमातृभाषा में शिक्षा क्यों जरूरी

डॉ. आर.के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले ही केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एक बेहद जरूरी फैसला लिया। अब सीबीएसई स्कूलों को प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक क्षेत्रीय और मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने का विकल्प देगा।

अब तक, राज्य बोर्ड स्कूलों के विपरीत, सीबीएसई स्कूलों में केवल अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम ही शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प था। बेशक, यह युगांतकारी फैसला है।

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने भी अपनी स्कूली शिक्षा क्रमशः अपनी मातृभाषाओं हिन्दी और मराठी में ही ली थी। दोनों आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल करने में सफल रहे यानी आप प्राइमरी तक अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने भी अपनी स्कूली शिक्षा अपनी मातृभाषा तमिल में ली थी। इंजीनियरिंग की डिग्री रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज (आरईसी), त्रिचि से हासिल की। यह जानकारी महत्वपूर्ण इस दृष्टि से है कि तमिल भाषा से स्कूली शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी ने आगे चलकर अंग्रेजी में महारत हासिल की और कॅरियर के शिखर को छुआ। बेशक, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने की अंधी दौड़ के चलते अधिकतर बच्चे असली शिक्षा पाने के आनंद से वंचित रह जाते हैं। असली शिक्षा का आनंद तो आप तब ही पा सकते हैं, जब आपने पांचवी तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हासिल की हो। अध्ययनों से प्रमाणित हो चुका है कि जो बच्चे मातृभाषा में स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे अधिक सीखते हैं। यहां अंग्रेजी का विरोध नहीं है, या अंग्रेजी शिक्षा या अध्ययन को लेकर कोई आपत्ति भी नहीं है पर भारत को अपनी भाषाओं, चाहे हिन्दी, तमिल, बांग्ला या कोई अन्य, में प्राइमरी स्कूली शिक्षा देने के संबंध में तो बहुत पहले ही फैसला ले लेना चाहिए था क्योंकि उसके बिना बच्चों को सही शिक्षा तो नहीं दी जा सकती।

याद रखें कि शिक्षा का अर्थ है ज्ञान। बच्चे को ज्ञान कहां मिला? हम तो उन्हें नौकरी पाने के लिए तैयार कर रहे हैं। आजादी के बाद हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान का जो सपना देखा गया था, वह दस्तावेज और सरकारी कार्यक्रमों में दबकर रह गया। हम जानते हैं कि सारे देश में अंग्रेजी माध्यम से स्कूली शिक्षा लेने-देने की महामारी ने अखिल भारतीय स्वरूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर तथा नागालैंड ने अपने सभी स्कूलों में शिक्षा का एकमात्र माध्यम अंग्रेजी कर दिया है। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु समेत कुछ और राज्यों में छात्रों को विकल्प दिए जा रहे हैं कि चाहें तो अपनी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी रख सकते हैं यानी बच्चों को उनकी मातृभाषा से दूर करने की भरपूर कोशिशें हुई। मुझे मेरे एक मित्र, जो राजधानी के मशहूर स्कूल के प्रधानाचार्य रहे हैं, बता रहे थे कि जब वे हरियाणा के करनाल जिले के एक ग्रामीण इलाके में पढ़ा रहे थे तो उन्हें नया अनुभव हुआ।

वहां पर माता-पिता के साथ बच्चे खुशी-खुशी स्कूल में दाखिला लेने आते। लेकिन, स्कूल में कुछ दिन बिताने के बाद उनका स्कूल से मोहभंग होने लगता। वे कहने लगते कि उन्हें तो पढ़ना आता ही नहीं। वे धीरे-धीरे चुप रहने लगते कक्षा में। वजह यह थी कि उन्हें पढ़ाया जाता था अंग्रेजी में। उन्हें उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता तो शायद उनका स्कूल और पढ़ाई से मोहभंग न होता। इस स्थिति के कारण अनेक बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ भी देते हैं। विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा देना मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक रूप से वांछनीय है क्योंकि विद्यालय आने पर बच्चे अपनी भाषा में पढ़ते हैं, तो विद्यालय में आत्मीयता का अनुभव करने लगते हैं और यदि उन्हें सब कुछ उन्हीं की भाषा में पढ़ाया जाता है, तो उनके लिए सारी चीजों को समझना बेहद आसान हो जाता है।

समूचे संसार के भाषा-वैज्ञानिकों, अध्यापकों और शिक्षा से जुड़े जानकारों की राय है कि बच्चा सबसे आराम से अपनी भाषा में पढ़ाए जाने पर ही शिक्षा ग्रहण करता है। जैसे ही उसे किसी अन्य भाषा में पढ़ाया जाने लगता है, तब ही गड़बड़ चालू हो जाती है पर हमारे देश में तो यही होता चला आ रहा है। अफसोस कि हमारे देश के एक बड़े वर्ग ने मान लिया है कि अंग्रेजी जाने-समझे बिना गति नहीं है। बेशक, इसी मानसिकता के चलते हमारे समाज का बड़ा हिस्सा अपनी आय का बड़ा भाग अपने बच्चों को कथित अंग्रेजी स्कूलों में भेजने पर खर्च करने लगा है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में भारत के 25 फीसद स्कूली बच्चे उन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने लगे हैं, जहां पर मातृभाषा की बजाय शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इन बच्चों को शिक्षा का आनंद आ ही नहीं सकता और इनमें से अनेक अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते स्कूलों को छोड़ देते हैं। बहरहाल, सीबीएसई के ताजा फैसले से यह उम्मीद अवश्य जागी है कि चलो, हमने भी भारत की अपनी भाषाओं को सम्मान देना, भले ही देर से, चालू तो किया।

ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजें

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

बेजोड़ सुंदरता और स्वास्थ्य चाहिए, तो रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रॅपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं। नोनी फल के स्वास्थ्य लाभ

- **नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है**
  नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है**
  गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।
- **नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है**
  पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।
- **यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है**
  थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।
- **यूरिक एसिड को कम करता है**
  उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।
- **मानसून से संबंधित बीमारियों के लिए**
  मानसून बीमारियों के साथ आता है। खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, दस्त आदि। लेकिन आप में से जो नोनी फल खा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा मिलेगी। इसका कारण, इम्युनिटी है!

करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती हैं। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी स्किन समस्या के साथ बालों और डायबिटीज को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे वेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जानें कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड पी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतो को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चारेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लैडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेंगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरुर पीएं।

स्किन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी स्किन की और कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारू बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियों या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डीटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां क्या आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

अल्सर की समस्या

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागरम चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

मोटापे की समस्या

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

हड्डियों के लिए बुरी है चाय

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

थकान और चिड़चिड़ापन

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

पाचन क्रिया पर बुरा असर

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

तनाव बढ़ने का है कारण

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

ह्रदय रोग का खतरा

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नैक्स जरूर लें।

फाक्सकान तमिलनाडु में 200 मिलियन डॉलर का निवेश करेगीः रिपोर्ट

चैन्नई । इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन की सब्सिडियरी कंपनी फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) तमिलनाडु में 200 मिलियन का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के सीईओ ब्रांड चेंग और अन्य कंपनी प्रतिनिधियों ने पिछले हफ्ते तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और अन्य सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में राज्य में निवेश पर चर्चा की गई थी। रॉयटर्स ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि एफआईआई ने राज्य के अधिकारियों के साथ शुरुआत में राज्य में 180 मिलियन से 200 मिलियन का निवेश करने की योजना साझा की है। ताइवान स्थित कंपनी का 2024 तक प्लांट पूरा करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। प्लांट पूरा होने के बाद और निवेश की उम्मीद है। हालांकि तमिलनाडु में इस निवेश को लेकर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है। फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट संचार, मोबाइल नेटवर्क और क्लाउड कंप्यूटिंग उपकरण बनाता है। फॉक्सकॉन के पास पहले से ही चेन्नई के पास एक विशाल परिसर है जहां वह एप्पल के आईफोन असेंबल करती है। फॉक्सकॉन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात के साथ भी बातचीत कर रही है क्योंकि कंपनी भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को पीएम मोदी गांधीनगर में एक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे जिसमें फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू भी मौजूद रहेंगे।

आर्थिक अस्थिरता, भूराजनीतिक दबाव से बढ़ रहा संगठनों का खतराः सर्वे

नई दिल्ली । विश्व में बढ़ती आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक तनाव, भू-आर्थिक और भूराजनीतिक संबंधों में उतार-चढ़ाव के बीच अगले छह महीने के दौरान वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के मुख्य जोखिम अधिकारियों (सीआरओ) के एक सर्वे में यह निष्कर्ष निकाला है।सर्वे के अनुसार, 85 प्रतिशत से अधिक सीआरओ का मानना है कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में लगातार कुछ स्तर का उतार-चढ़ाव बना रहेगा। इसमें सशस्त्र संघर्षों और नियामकीय बदलावों को भी संगठनों के लिए एक संभावित खतरा बताया गया है। 75 प्रतिशत सीआरओ मानते हैं कि कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियों से उनके संगठन की प्रतिष्ठा के लिए जोखिम पैदा हो सकता है। इस सर्वे में 40 जोखिम पेशेवरों को शामिल किया गया है। ये पेशेवर प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवा, स्वास्थ्य देखभाल, पेशेवर सेवाओं और औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनियों से जुड़े हैं। सर्वे में शामिल सीआरओ ने अपने संगठन के लिए वृहद आर्थिक संकेतकों, कच्चे माल की कीमत और उनकी आपूर्ति में बाधा, सशस्त्र संघर्ष और नियामकीय बदलावों को प्रमुख जोखिम करार दिया। जिनेवा स्थित डब्ल्यूईएफ ने कहा कि बढ़ती लागत और आपूर्ति दिक्कतों के बीच संगठनों को कई सैद्धान्तिक और सामाजिक जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है, जो नियामकीय अनुपालन की तुलना में कहीं अधिक जटिल हैं।

एफसीआई ने पांचवीं ई-नीलामी में 1.06 लाख टन गेहूं बेचे

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने पांचवीं ई-नीलामी में 1.06 लाख टन गेहूं और 100 टन चावल बेचे। एफसीआई चावल, गेहूं और आटा के खुदरा मूल्य को काबू में रखने के लिए साप्ताहिक आधार पर ई-नीलामी आयोजित करता है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार अनाजों की कीमत को काबू में रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इस बाजार हस्तक्षेप का मकसद ग्राहकों को राहत पहुंचाना है। एफसीआई ने कहा कि नीलामी के तहत देश भर के 178 डिपो से कुल 1.16 लाख टन गेहूं और 1.46 लाख टन चावल की पेशकश की गई थी। औसत गुणवत्ता वाले (एफएक्यू) गेहूं का भारांश औसत बिक्री मूल्य 2182.68 रुपये प्रति क्विंटल रहा जबकि आरक्षित मूल्य 2,150 रुपये प्रति क्विंटल था। वहीं कम गुणवत्ता वाले (यूआरएस) गेहूं का भारांश औसत बिक्री मूल्य 2,173.85 रुपये प्रति क्विंटल रहा जबकि आरक्षित मूल्य 2,25 रुपए प्रति क्विंटल था। चावल के मामले में भारांश औसत बिक्री मूल्य 3151.10 रुपए प्रति क्विंटल रहा जो आरक्षित मूल्य के बराबर है।

पीएनबी ने स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट में 307 प्रतिशत की बढ़ोतरी की

नई दिल्ली ।

पंजाब नैशनल बैंक ने बुधवार को जून 2023 को समाप्त तिमाही में अपने स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट में 307 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,255.4 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। बैंक ने पिछले साल की समान तिमाही में 308.4 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। इस तिमाही में मार्च तिमाही (वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही) के 1,158.61 करोड़ रुपये के मुकाबले नेट प्रॉफिट में 8.3 फीसदी का इजाफा हुआ।

जून तिमाही में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति घटकर 7.73 प्रतिशत रह गई, जो पिछली तिमाही में 8.74 प्रतिशत थी। पिछले साल की जून तिमाही में जीएनपीए 11.27 फीसदी था। जून तिमाही में पीएनबी का शुद्ध एनपीए भी घटकर 1.98 फीसदी रह गया, जो पिछली तिमाही में 2.72 फीसदी था। पिछले साल जून तिमाही में नेट एनपीए 4.28 फीसदी था। जून तिमाही में बैंक की कुल आय 34.2 फीसदी बढ़कर 28,579.27 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल 21,294.03 करोड़ रुपये थी।

पीएनबी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि इन बांडों पर प्रति वर्ष 7.74 प्रतिशत का कूपन रेट होगा।

इससे पहले, उसने राइट्स इश्यू के जरिए अपनी भूटान सहायक कंपनी डुक पीएनबी बैंक लिमिटेड में 72.82 करोड़ रुपये लगाने की भी घोषणा की थी। पीएनबी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा, 'डुक पीएनबी बैंक लिमिटेड के इश्यू में भागीदारी के माध्यम से राइट्स इश्यू में निवेश 7 जुलाई, 2023 को किया गया है।' राइट्स इश्यू के बाद, पीएनबी के पास अब तक सहायक कंपनी का 51 प्रतिशत हिस्सा बरकरार है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ ही 82.02 पर बंद हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में उम्मीद के अनुकूल वृद्धि किए जाने के बाद विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के रुख के बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ खुला। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख तथा विदेशी कोषों के प्रवाह से रुपये की धारणा को बल मिला। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से रुपए का लाभ सीमित रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.92 पर खुला और फिर बढ़त के साथ 81.91 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव की तुलना में 10 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 82.01 के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत गिरकर 100.83 पर आ गया।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली । कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी दिखाई दे रही है। 27 जुलाई को सराफा बाजार में सोने-चांदी की नई कीमतें जारी की गईं। गुरुवार को सोना 24 कैरेट 320 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1000 रुपए प्रति किलोग्राम महंगी कीमत पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोने की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 55,600 रुपए, मुंबई सराफा बाजार में 55,450 रुपए, कोलकाता सराफा बाजार में 55,450 रुपए और चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 55,800 रुपए है। 24 कैरेट सोने की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपए, मुंबई सराफा बाजार में 60,490 रुपए, कोलकाता सराफा बाजार में 60,490 रुपए और चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 60,870 रुपए है। चांदी की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में आज 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 78,400 रुपए है, मुंबई सराफा बाजार और कोलकाता सराफा बाजार में भी चांदी की कीमत 78,400 रुपए है जबकि चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 81,500 रुपए है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 440, निफ्टी 118 अंक गिरा

र पचास शेयरों स्टॉक एक्सचेंज ी 118.40 अंक .6 फीसदी नीचे न के अंत में 0 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,867.55 की ऊंचाई तक जाने के बाद 19,603.55 तक फिसला।

बिकवाली हावी होने से आया है। इसके अलावा इंट्रा-डे कारोबार (एक ही दिन में खरीदे खरीदने ओर दिन बेचने) के कारण भी बाजार पर दबाव आया। इसके साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा उम्मीद के मुताबिक 25 बीपीएस दर बढ़ोतरी से भी निवेशकों की धारणा पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई । सेंसेक्स 440.38 अंक करीब 0.66 फीसदी टूटकर 66,266.82 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,984.17 की ऊंचाई तक जाने के बाद 66,060.74 तक फिसला।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 11 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। सन फार्मा, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो और टीसीएस सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सन फार्मा के शेयर सबसे अधिक 2.10 फीसदी तक उछले। इसके अलावा इंफोसिस, एसबीआई, एचसीएल टेक, एनटीपीसी और टाइटन के शेयरों में भी तेजी आई।

वहीं दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 19 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इस दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, नेस्ले, बजाज फाइनैंस और एक्सिस बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 6.39 फीसदी तक नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ शुरु हुआ। सुबह सेंसेक्स 257.18 अंक की बढ़त के साथ 66,964.38 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं निफ्टी 75.60 अंक की बढ़त के साथ 19853.90 के स्तर पर दिख रहा था। बैंक निफ्टी भी 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ 46,241.30 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

नेटफ्लिक्स ने नया पर्सनलाइज टैब पेश किया

- माई नेटफ्लिक्स टैब आईओएस पर उपलब्ध

सैन फ्रांसिस्को ।

एंड्रॉइड और आईओएस के लिए नेटफ्लिक्स कंपनी ने एक नया पर्सनलाइज टैब पेश किया है। नेटफ्लिक्स ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि माई नेटफ्लिक्स टैब फिलहाल आईओएस पर उपलब्ध है और अगले महीने की शुरुआत में एंड्रॉइड पर उपलब्ध होगा।

कंपनी के अनुसार, नया टैब एक वन-स्टॉप शॉप है, इसे आसान शॉर्टकट के साथ तैयार किया गया है जो आपको यह चुनने में मदद करेगा कि आप क्या देखना चाहते हैं। कंपनी ने कहा, जब आप अपने फोन के साथ घूम रहे हों, तो सीधे माय नेटफ्लिक्स पर जाएं, जहां आप तुरंत कुछ ऐसा चुन सकते हैं जिसे आपने देखने के लिए सेव्ड या डाउनलोड किया हो। इसके अलावा, उपयोगकर्ता सीरीज और फिल्मों की पूरी सूची खोजने के लिए अभी भी होम टैब और ऐप के अन्य अनुभागों पर जा सकते हैं। जितना अधिक यूजर्स नेटफ्लिक्स के साथ बातचीत करेंगे और बताएंगे कि उन्हें क्या पसंद है, उतना ही ज्यादा वे माय नेटफ्लिक्स टैब पर अपनी पसंद देखेंगे।

इस महीने की शुरुआत में, कंपनी ने प्रोफ़ाइल ट्रांसफर फीचर को अपडेट किया था ताकि यूजर्स अपनी प्रोफाइल को मौजूदा अकाउंट में ट्रांसफर कर सकें। प्रोफाइल ट्रांसफर फीचर यूजर्स को अपनी पर्सनलाइज रिकमेंडेशन, व्यूइंग हिस्ट्री, माय लिस्ट, सेव्ड गेम्स और अन्य प्राथमिकताओं को दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देती है।

सैमसंग गेलेक्सी फोल्ड 5 और फ्लिप 5 फोन भारत में ही बनाएगी

सियोल । दक्षिण कोरिया की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता सैमसंग अपने प्रमुख स्मार्टफोन मॉडल गैलेक्सी जेड फोल्ड 5 और गैलेक्सी जेड फ्लिप 5 का विनिर्माण भारत में ही करेगी। कंपनी को भरोसा है कि हाल ही में पेश अपने मुड़ने वाले (फोल्डेबल) फोन से वह भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर सकेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सैमसंग की योजना अपने सबसे महंगे उपकरणों को भारतीय बाजार में 18 अगस्त को पेश करने की है। इनके लिए बुकिंग 27 जुलाई की मध्यरात्रि से होगी। सैमसंग दक्षिण-पश्चिम एशिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहा` कि गैलेक्सी जेड फोल्ड 5 और गैलेक्सी फ्लिप 5 दोनों का विनिर्माण कंपनी के नोएडा कारखाने में किया जाएगा। बाजार शोध और विश्लेषण फर्म टेकआर्क का अनुमान है कि फोल्डेबल स्मार्टफोन की 2023 में कुल स्मार्टफोन बाजार में लगभग 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। इसका मतलब है कि वर्ष 2023 में भारत में 6.35 लाख से अधिक फोल्डेबल स्मार्टफोन बेचे जाएंगे। सैमसंग ने फोल्ड 4 और फ्लिप 4 श्रृंखला के उत्पादों का भारत में विनिर्माण दिसंबर में शुरू किया था। इन उत्पादों को बाजार में उतारने के चार माह बाद भारत में इनका उत्पादन शुरू हुआ था।

काला नमक चावल का निर्यात तीन गुने से ज्यादा बढ़ा

- वर्ष 2019-2020 में काला नमक चावल का निर्यात 2 फीसद था

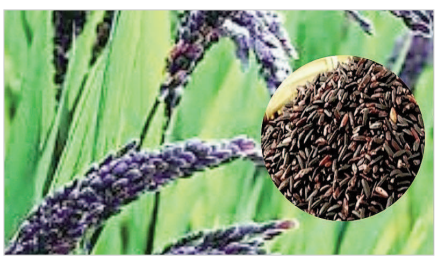

नई दिल्ली ।

काला नमक धान का चावल की मांग देश में ही नहीं, विदेश में भी बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश की सरकार के प्रयासों से बीते तीन साल में इसके निर्यात में तीन गुने से अधिक की वृद्धि हुई है। सरकार ने इसे सिद्धार्थनगर का एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) घोषित किया है और इसके लिए ब्रांडिंग कर रही है। राज्यसभा में 17 दिसंबर 2021 को दिए गए आंकड़ों के अनुसार 2019-2020 में इसका निर्यात 2 फीसद था। अगले साल यह बढ़कर 4 फीसद हो गया। 2021-2022 में यह 7 फीसद रहा। कालानमक धान को केंद्र में रखकर दो दशक से काम कर रही गोरखपुर की संस्था पीआरडीएफ (पार्टिसिपेटरी रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन) के अनुसार दो वर्षों के दौरान उनकी संस्था ने सिंगापुर को 55 टन और नेपाल को 10 टन कालानमक चावल का निर्यात किया। इन दोनों देशों से अब भी लगातार मांग आ रही है। इसके अलावा कुछ मात्रा में दुबई और जर्मनी को भी इसका निर्यात हुआ है। पीआरडीएफ के अलावा भी कई संस्थाएं काला नमक चावल के निर्यात में लगीं हैं।

उल्लेखनीय है कि स्वाद, खुशबू और पोषण के लिहाज से भरपूर काला नमक धान को भगवान बुद्ध का प्रसाद माना जाता है। सिद्धार्थनगर का ओडीओपी होने के साथ इसे जीआई टैग भी हासिल है। इस सबके नाते यह भविष्य में निर्यात के मामले में बासमती को टक्कर दे सकता है। यह दुनिया का एक मात्र चावल है, जिसमें वीटा कैरोटिन के रूप में विटामिन ए उपलब्ध है। अन्य चावलो की तुलना में इसमें प्रोटीन और जिंक की मात्रा अधिक होती है। जिंक दिमाग के लिए और प्रोटीन हर उम्र में शरीर के विकास के लिए जरूरी होता है। इसका ग्लाईसेमिक इंडेक्स कम (49 से 52 प्रतिशत) होता है। इस तरह यह शुगर के रोगियों के लिए भी बाकी चावलो की अपेक्षा बेहतर है।

छूट में कटौती से भारत को रूस से ज्यादा कीमत पर खरीदना होगा क्रूड

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कीमतें तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने के बीच रूस कच्चे तेल के निर्यात पर छूट में कटौती पर विचार कर रहा है। मास्को के इस कदम से भारत को रूस से महंगे दाम पर कच्चा तेल खरीदना पड़ सकता है। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव ने कहा` कि मास्को पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद वित्त मंत्रालय कच्चे तेल के निर्यात पर करों की गणना में सुधार के लिए और उपायों पर विचार कर रहा है।

इसी कड़ी में हमने कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) के निर्यात पर मौजूदा छूट को 25 डॉलर से घटाकर 20 डॉलर प्रति बैरल करने की योजना बनाई है। दरअसल, यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कच्चे तेल के निर्यात पर 60 डॉलर प्रति बैरल की सीमा तय करने के साथ कई प्रतिबंध लगा दिए। इसने रूस को कच्चे तेल की बिक्री पर कर लगाने के तरीकों में बदलाव को मजबूर किया। रूसी वित्त मंत्री ने कहा कि ब्रेंट क्रूड की करीब 80 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा कीमत पर वित्त मंत्रालय 2023 में तेल और गैस बेचकर 8 लाख करोड़ रूबल (88.5 अरब डॉलर) जुटा सकेगा।

इस साल के पहले छह महीने में रूस को तेल और गैस से होने वाली कमाई में 47 फीसदी की गिरावट आई है। इसकी भरपाई के लिए वह कच्चे तेल के निर्यात पर छूट में कटौती की तैयारी में है। सिलुआनोव ने कहा कि तेल-गैस राजस्व में वृद्धि होने पर इस साल के अंत तक हमारा बजट घाटा कम होकर जीडीपी के 2.5 फीसदी तक रह सकता है।

कच्चे तेल में तेजी, कई शहरों में महंगा हुआ पेट्रोल

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 83.44 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में एक बार फिर उछाल आना शुरू हो गया है। ब्रेंट क्रूड का भाव तो 83 डॉलर के भी पार चला गया है। इसका असर गुरुवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। आज कई शहरों में तेल के दाम बढ़े हैं तो कुछ जगह इसकी कीमतों में गिरावट आई है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, नोएडा में पेट्रोल 35 पैसे गिरकर 96.65 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 32 पैसे सस्ते होकर 89.82 रुपए लीटर पहुंच गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 29 पैसे महंगा हुआ और 97.00 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी यहां 29 पैसे महंगा होकर 89.88 रुपए लीटर हो गया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 16 पैसे की गिरावट के साथ 108.45 रुपए लीटर और डीजल 14 पैसे टूटकर 93.69 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में और तेजी दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 83.44 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी ग्लोबल मार्केट में 79.40 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 89.88 रुपए प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 108.45 रुपए और डीजल 93.69 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अमेरिकी फेडरल की ब्याज दरें 22 साल के उच्च स्तर पर

वाशिंगटन ।

यूनाइटेड स्टेट्स फेडरल रिजर्व ने अपनी बेंचमार्क ब्याज दर 25 आधार अंकों तक बढ़ा दी, जो पिछले 22 वर्षों में सबसे अधिक है। बेंचमार्क फेडरल फंड दर अब 5.25 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच है, जो 2001 के बाद से सबसे अधिक है, जिससे घरों, कारों और अन्य वस्तुओं के लिए लोन लेने की लागत बढ़ने के कारण आर्थिक गतिविधि और भी सीमित हो गई है।

एक खबर के अनुसार मार्च 2022 में फेड द्वारा मुद्रास्फीति की लड़ाई शुरू करने के बाद से यह 11वीं दर वृद्धि है और वसंत के बाद से तीन क्षेत्रीय बैंकों की विफलताओं के बाद अर्थव्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के लिए केंद्रीय बैंक द्वारा विराम लगाने के ठीक एक महीने बाद यह वृद्धि हुई है। फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने दो दिवसीय बैठक खत्म होने के बाद कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व तब तक ब्याज दरों में इजाफा करना जारी रखेगा, जब तक अमेरिका में महंगाई दर उनके पूर्व निर्धारित 2 फीसदी के लक्ष्य के अंदर नहीं आ जाती है।

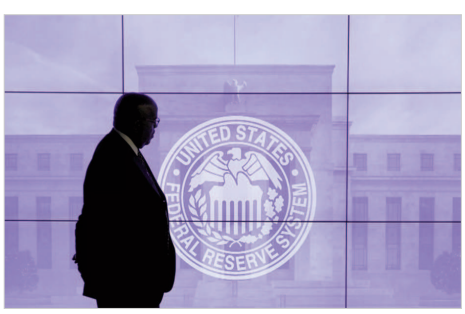

विराट के पास एकदिवसीय सीरीज में सचिन, पोटिंग ओर जयसूर्या को पीछे छोड़ने का मौका

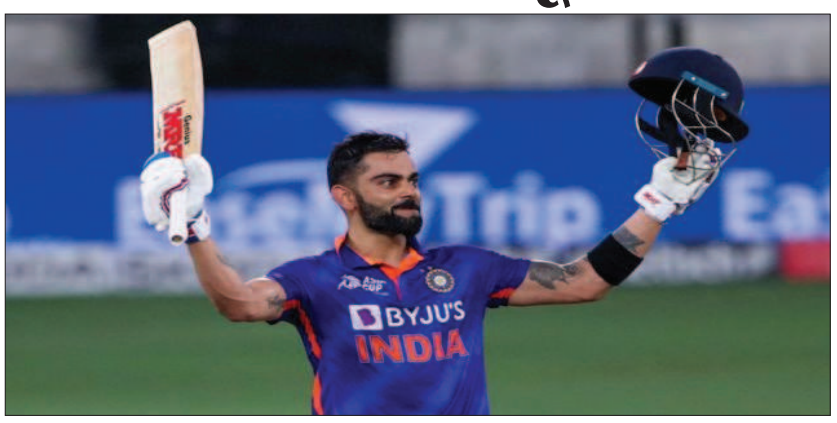

– सबसे तेजी से 13000 रन पूरे करने के लिए चाहिये एक शतक

मुम्बई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दौरे पर गयी भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर सकते है। विराट एकदिवसीय में एक शतक लगाते ही सचिन तेंदुलकर से लेकर रिकी पोटिंग तक को पीछे छोड़ देंगे। विराट एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 13000 रन पूरे करने से केवल एक शतक पीछे हैं। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 102 रनों की जरुरत है। इसके साथ ही विराट सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को भी पीछे कर देंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोटिंग से लेकर श्रीलंका के सनत जयसूर्या तक उनसे पीछे हो जाएंगे।

विराट ने अभी तक केवल 274 मैच और 265 पारियों में 12898 रन बनाये हैं। ऐसे में उन्हें सीरीज में 13000 रन पूरे करने के लिए 102 रन और चाहिये। इसके साथ ही विराट के नाम सबसे तेज 13000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा। विराट के वनडे आंकड़ों की बात करें तो उन्होंने 46 शतकों की मदद से 57.3 की औसत से अबतक 12898 रन बनाए हैं। विश्व के वर्तमान खिलाड़ियों ने विराट के बराबर शतक नहीं लगाए हैं। विराट अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में 76 शतक लगाये हैं।

जापान ओपनः प्रणय, लक्ष्य, सात्विक . चिराग बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में

तोक्यो। (एजेंसी)। भारत के एच एस प्रणय , लक्ष्य सेन और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की जोड़ी जापान ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 21 वर्षके सेन ने जापान के केंटा सुनेयामा को 21 . 14, 21 . 16 से हराया। कोरिया ओपन जीतने वाले सात्विक साइराज और चिराग ने डेनमार्क के लास्से मोल्हेडे और जेप्पे बे को 21 . 17, 21 . 11 से मात दी। वहीं प्रणय ने हमवतन किदाम्बी श्रीकांत को 19 . 21, 21 . 9, 21 . 9 से हराया।

महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली को नामी मत्सुयामा और चिरारू शिडा ने 21 . 21, 21 . 19 से मात दी। सेन ने 50 मिनट के भीतर जापानी प्रतिद्वंद्वी को हराया। पहला गेम जीतने के बाद उसने सुनेयामा को वापसी का मौका ही नहीं दिया। वहीं प्रणय पहला गेम हार गए थे लेकिन शानदार वापसी करके अगले दो गेम जीते। सात्विक और चिराग के लिये मुकाबला लगभग एकतरफा रहा जिन्होंने सीधे गेमों में जीत दर्ज की। इस सत्र में सात्विक और चिराग ने कोरिया ओपन सुपर 500, स्विस ओपन सुपर 300 और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 खिताब जीते हैं।

कई बार इस सवाल का जवाब दे चुका हूं, विदेश में कोहली के टेस्ट फॉर्म पर बोले रोहित

ब्रिजटाउन। (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों में विदेश में विराट कोहली के फॉर्म को लेकर बार बार पूछे जाने वाले सवालों से आजिज आ चुके भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि बाहर की आवाजों का टीम पर असर नहीं होता। पूर्व कप्तान कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट आफ स्पेन में ड्रॉ रहे दूसरे टेस्ट में शतक जमाया। विदेश में इस प्रारूप में उन्होंने पांच साल बाद शतक लगाया है। एक पत्रकार ने पूछा कि क्या कोहली के बड़ी पारी नहीं खेल पाने को लेकर चिंता थी, रोहित ने कहा कि टीम बाहर की बातों पर ध्यान नहीं देती। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,''मैं इस सवाल का कई बार जवाब दे चुका हूं। ये सब बाहरी बातें कि किसने कितने रन बनाये , कितने विकेट लिये। जो लोग ऐसी बातें करते हैं, उन्हें पता नहीं होता कि टीम के भीतर क्या होता है।''

उन्होंने कहा ,''जो भीतर होता है, वह भीतर ही रहता है। हम ऐसा ही चाहते

हैं। सबसे अहम बात मैच और श्रृंखलायें जीतना है, यह नहीं कि कौन क्या कह रहा है।हमें उससे फर्क नहीं पड़ता।'' भारतीय कप्तान ने कहा,''इस समय प्राथमिकता वनडे श्रृंखला जीतना है। मैं कई बार कह चुका हूं कि टीम के भीतर की बातें हम भीतर ही रखना चाहते हैं और आगे भी यही कहूंगा।'' कोहली ने पिछली बार विदेश में शतक दिसंबर 2018 में बनाया था। पोर्ट आफ स्पेन में उन्होंने अपने 500वें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 76वां शतक लगाया।

बड़ी जीत हासिल कर पाकिस्तान ने रचा इतिहास, श्रीलंका को 2-0 से हराया

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक पारी और 222 रन से जीत हासिल कर 2-0 सीरीज अपने नाम कर ली है। पहले टेस्ट में 4 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में भी अपना दबदबा कायम रखते हुए चौथे दिन ही जीत हासिल कर ली। इसी के साथ पाकिस्तान ने एक नया इतिहास रच दिया।

दरअसल, पाकिस्तान ने विदेशी धरती पर अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। इससे पहले पाकिस्तान की विदेशी धरती पर सबसे बड़ी जीत 2011 में बांग्लादेश के खिलाफ आई थी।

विदेश में टेस्ट मैचों में पाकिस्तानस के लिए सबसे बड़ी जीत -

पारी और 222 रन बनाम श्रीलंका, 2023
पारी और 184 रन बनाम बांग्लादेश, 201
पारी और 178 रन बनाम बांग्लादेश, 2002

श्रीलंका को पहली पारी में 166 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने 576/5 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर 410 रन की विशाल बढ़त बनायी। नोमान की अबूझ स्पिन के आगे श्रीलंकाई टीम चौथे दिन दूसरी पारी में 188 रन पर ऑलआउट हो गयी। एंजलो मैथ्यूज़ 127 गेंद पर सात चौकों और दो छक्कों की सहायता से 63 रन बनाकर नाबाद रहे

लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिल सका। पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत में मोहम्मद रिज़वान (50 नाबाद) का अर्द्धशतक पूरा होते ही पारी घोषित कर दी।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाजों ने 69 रन की साझेदारी कर दिन की अच्छी शुरुआत की, लेकिन जल्द ही नोमान अली ने मेजबान टीम को अपनी फिरकी में फंसा लिया। सलामी बल्लेबाज निशान मदूशंका (33) और डिमुथ करुणारत्ने (41) के विकेट गिरने के बाद अनुभवी बल्लेबाज एंजलो मैथ्यूज़ ने विकेट पर पांव जमा लिये, हालांकि नोमान ने दूसरे छोर से विकेट चटकाना जारी रखा। श्रीलंका के शुरुआती सातों विकेट 177 रन पर झटकने के बाद नोमान के पास एक पारी में रिकॉर्ड 10 विकेट चटकाने का मौका था, हालांकि नसीम शाह ने ऐसा नहीं होने दिया।

दूसरी पारी में विकेटों के मामले में दुर्भाग्यपूर्ण रहे नसीम ने एक दर्शनीय इन-स्विंगर पर प्रभात जयसूर्या को बोल्ड किया। इसके अगले ओवर में नोमान विकेट नहीं ले सके, लेकिन नसीम ने असिता फर्नांडो और दिलशन मदुशंका को बोल्ड करके श्रीलंकाई पारी समाप्त की। पहली पारी में 326 गेंद पर 19 चौकों और चार छक्कों के साथ 201 रन बनाने वाले शफीक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दो मैचों में 221 रन बनाने वाले आगा सलमान को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

तैराकी विश्व चैम्पियनशिप : श्रीहरि नटराज 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में 31वें स्थान पर रहे

फुकुओका (जापान) : भारत के अनुभवी तैराक श्रीहरि नटराज गुरुवार को यहां फीना विश्व तैराकी चैम्पियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में निराशाजनक 31वें स्थान पर रहे। नटराज (22 वर्ष) अपनी हीट में 2 :04.42 सेकेंड के समय से अंतिम स्थान पर रहे जिससे वह सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सके। स्पर्धा में भाग ले रहे 39 तैराकों के बीच चार हीट (सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाइंग रेस) में से शीर्ष 16 तैराक ही सेमीफाइनल में पहुंचते हैं।

नटराज इस स्पर्धा में भारत के सर्वश्रेष्ठ तैराक हैं जिसमें उन्होंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हासिल किया जिसमें उन्होंने 2:00.84 सेकेंड का समय लिया था। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल नटराज इस हफ्ते के शुरु में पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में भी 31वें स्थान पर रहे थे। अब वह रविवार को 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बुमराह को कप्तानी मिलना तय

मुम्बई । टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी अपनी फिटनेस हासिल कर रहे हैं और माना जा रहा है कि एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उन्हें अगले माह होने वाले आयरलैंड दौरे में उतरा जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे में बुमराह को कप्तान बनाया जा सकता है क्योंकि इस दौरे में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या सहित अधिकतर अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि बुमराह को ही टीम की कप्तानी मिलेगी। आयरलैंड दौरे में तीन टी-20 मैच 18, 20 और 23 अगस्त को होने हैं। वहीं विंडीज दौरे के बाद एक कैंप आयोजित किया जाएगा। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ चाहते हैं कि एशिया कप के लिए चुने गए सभी खिलाड़ी इस शिविर में भाग लें। इस मामले में केवल बुमराह को ही राहत मिल सकती है क्योंकि जिन्हें टीम प्रबंधन और चयनकर्ता पहले टी 20 मैचों में आंकना हैं। बुमराह 10 महीने के बाद वापसी कर रहे हैं। इस दौरान उनकी सर्जरी भी हुई थी। द्रविड़ ने एशिया कप की तैयारी के लिए बेंगलुरु में एक सप्ताह का शिविर लगाने का सुझाव दिया है। यह शिविर 24-25 अगस्त को शुरू हो सकता है। 30 अगस्त से 17 सितंबर तक चलने वाले एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मैच 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ है। इसी कारण द्रविड़ और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को इस शिविर को देखते हुए 18 से 23 अगस्त के बीच आयरलैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज से आराम दिया गया है।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने नीदरलैंड से ड्रॉ खेला

बार्सीलोना (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2022-23 खिताब जीतने वाली नीदरलैंड टीम को स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौंवी वर्षगांठ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 1-1 से ड्रॉ पर रोका। भारत को पहले मैच में स्पेन ने हराया था लेकिन भारतीय टीम ने दूसरे मैच में प्रभावी प्रदर्शन किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भारत के लिए एकमात्र गोल 12वें मिनट में किया जबकि डच टीम के लिये जैस्पर ब्रिंकमैन ने 40वें मिनट में बराबरी का गोल दागा।

भारत ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया लेकिन पहला पेनल्टी कॉर्नर डच टीम को मिला जिस पर गोल नहीं हो सका। भारत को 12वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को हरमनप्रीत ने गोल में बदला। हार्दिक सिंह से मिली गेंद को गोल के भीतर डालने में उन्होंने कोई चूक नहीं की।

दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत के लिए पीआर श्रीजेश की जगह उस समय खेल रहे गोलकीपर कृशन पाठक ने प्रभावी प्रदर्शन किया। डच गोलकीपर मौरिटिस विस्सेर ने भी भारतीयों को गोल नहीं करने दिए। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में दोनों टीमों को एक एक पेनल्टी कॉर्नर मिला।

श्रीजेश ने मैदान पर लौटने के बाद डच टीम को गोल से वंचित रखा। आखिरकार ब्रिंकमैन का अनुभव डच टीम के काम आया जिन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। आखिरी क्षणों में भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में जवाबी हमला किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

फीफा महिला विश्वकप : अमेरिका ने विश्व कप फुटबॉल मैच में नीदरलैंड से ड्रॉ खेला

वेलिंगटन। लिंडसे होरान के गोल की मदद से अमेरिका ने महिला विश्व कप फुटबॉल के मैच में नीदरलैंड को 1 . 1 से ड्रॉ पर रोका। नीदरलैंड के लिये पहले हाफ में जिल रूर्ड ने गोल किया। अमेरिका के लिये बराबरी का गोल होरान ने 62वें मिनट में हेडर पर दागा। इससे पहले डच खिलाड़ियों की छींटाकशी से होरान काफी गुस्से में थी। इस मैच के बाद अमेरिका और नीदरलैंड दोनों ग्रुप ई में शीर्ष पर हैं। अमेरिका का गोल औसत बेहतर होने के कारण उसकी स्थिति मजबूत है। अमेरिका ने 2019 महिला विश्व कप के फाइनल में नीदरलैंड को ही 2 . 0 से हराया था। ग्रुप की शीर्ष टीम का सामना ग्रुप जी की दूसरे स्थान की टीम से होगा जिसमें स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, इटली और अर्जेंटीना शामिल है। दूसरे स्थान की टीम ग्रुप जी की शीर्ष टीम से मेलबर्न में खेलेगी।

विश्वकप नहीं जिता पाये तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोच नहीं रहेंगे द्रविड़

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के लिए विश्वकप और के बाद होने वाली दक्षिण अफ्रीकी सीरीज में कोच बने रहना आसान नहीं होगा। द्रविड़ की कप्तानी में भारतीय टीम अभी तक कोई अहम सफलता हासिल नहीं पायी है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सहित उसे अब तक कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं मिली है। ऐसे में अगर टीम इंडिया को वह अक्टूबर-नवंबर में विश्वकप नहीं जिता पाते हैं तो उनके लिए उसके बाद उनके लिए कोच बने रहना कठिन हो जाएगा। वैसे भी विश्वकप के बाद उनका मुख्य कोच का कार्यकार समाप्त हो रहा है और ऐसे में अगर भारतीय टीम जीतती है तो उनका करार आगे बढ़ सकता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो दिसंबर में भारतीय टीम किसी नये कोच के साथ दक्षिण अफ्रीका जाएगी। द्रविड़ के कार्यकाल पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने उनकी कोचिंग में अब तक कोई बड़ी सीरीज नहीं जीती हैं। एशिया कप और आईसीसी टी20 विश्व कप में टीम को शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गई थी। तब से अब तक 1 एसीसी और 2 आईसीसी टूर्नामेंट में भारत खेलने उतरा जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा। एशिया कप के पहले दौर से भारत बाहर हुआ! टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में हार मिली जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी भारत हारा। उनके कार्यकाल में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन द्विपक्षीय सीरीज में ही अच्छा रहा है। 10 टी20 सीरीज, 6 एकदिवसीय और 4 टेस्ट सीरीज टीम जीती है।

ओशोआला की मदद से नाइजीरिया ने ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर उलटफेर किया

ब्रिसबेन> बार्सिलोना की फॉरवर्ड असिसात ओशोआला की मदद से नाईजीरिया ने गुरुवार को यहां फीफा महिला विश्व कप 2023 के मैच में सह मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर उलटफेर किया। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान में उतरी ओशोआला ने 72वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस जीत से नाईजीरिया ग्रुप बी में कनाडा के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गया दोनों के चार चार अंक हैं। इसका मतलब है कि चोटों से जूझ रही आस्ट्रेलियाई टीम को प्री क्वार्टर में पहुंचने की उम्मीदों को कायम रखने के लिए सोमवार को मेलबर्न में ओलंपिक चैम्पियन कनाडा को हराना होगा। नाईजीरिया के लिए ओशोआला के अलावा उचेना कानू (45+6वें मिनट) और ओसिनाची ओहाले ने 65वें मिनट में गोल दागे। आस्ट्रेलिया की ओर से एमिली वान एगमंड (45+1वें मिनट) और अलाना कैनेडी (90+10वें मिनट) ने गोल किये।

एशियाई खेलों में भाग लेने भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों को अनुमति मिली

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमें इस साल चीन में होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेंगी। इसके लिए इन टीमों को केन्द्रीय खेल मंत्रालय से अनुमति मिल गयी है। एशियाई खेल 23 सितंबर से चीन के हांगझोऊ में खेले जाएंगे। इससे पहले कहा जा रहा था कि फुटबॉल टीमें खेल मंत्रालय के वर्तमान नियम के अनुसार इन खेलों में भाग नहीं ले पायेंगी।खेल मंत्रालय के नियम में कहा गया है कि इस टूर्नामेंट में केवल शीर्ष आठ में शामिल टीमों को ही मंजूरी मिलेगी और भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल पुरुष और महिला टीमें अभी 18वें और 11वें स्थान पर हैं पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कॉन्टिनेंटल शोपीस इवेंट में छूट देते हुए भारतीय टीम की भागीदारी तय कर दी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट कर प्रशंसकों को भारतीय टीम के इन खेलों में भाग लेने की खुशखबरी दी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर! हमारी राष्ट्रीय फुटबॉल टीमें, पुरुष और महिला दोनों, आगामी एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए तैयार हैं। वहीं युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भी दोनों टीमों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए नियमों में राहत देने का फैसला किया है। वहीं मौजूदा नियम के अनुसार ये टीमें टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर रही थीं। हाल के दिनों में इन टीमों के अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए, मंत्रालय ने यह छूट देने का निर्णय लिया है। खेलमंत्री ने ठाकुर ने कहा, मुझे भरोसा है कि वे एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे।विशेष रूप से अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रशंसकों के समर्थन के बाद सरकार ने नियमों में ढील देने का निर्णय लिया है। हाल में भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता था। इसके बाद लगातार फुटबॉल का क्रेज प्रशंसकों के बीच बढ़ता चला गया।

हरमनप्रीत कौर के व्यवहार को मिताली राज ने अपमानजनक, कहा- अब महिला क्रिकेट पर सबकी निगाहें

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में अपने गुस्से के बाद न केवल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बल्कि कई पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की भी आलोचना का शिकार हो गई हैं। एक या दो नहीं बल्कि हरमनप्रीत ने खेल में अंपायरिंग निर्णयों के संबंध में अपना आपा खो दिया क्योंकि उन्होंने संपत्ति को नुकसान पहुंचाया (स्टंप को मारना), सार्वजनिक रूप से अंपायरिंग निर्णयों को गलत ठहराया और फिर विपक्षी कप्तान का अनादर किया - ये सभी एक ही मैच में हुए।

हो रही आलोचना

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी मदन लाल, भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान डायना एडुल्जी और अब पूर्व कप्तान मिताली राज ने हरमनप्रीत के आचरण को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की है। मिताली ने कहा कि अब महिला क्रिकेट पर सबकी निगाहें हैं और सभी को सम्मानजनक तरीके से आचरण करना चाहिए क्योंकि खेल देखने वाले छोटे बच्चे भी हैं, जो अपने पसंदीदा सितारों का अनुकरण करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत एक अच्छी खिलाड़ी हैं और कई बच्चों के लिए आदर्श हैं। एक जिम्मेदार क्रिकेटर के रूप में मैदान के अंदर और बाहर खुद को सम्मानजनक तरीके से संचालित करना होगा। मिताली राज ने कहा कि पहले, महिला क्रिकेट की सोशल मीडिया पर ज्यादा कवरेज या उपस्थिति नहीं थी; अब सब कुछ सार्वजनिक डोमेन में है और सभी क्रियाएं उन महत्वाकांक्षी बच्चों द्वारा अनुकरण की जाती हैं जो खेल खेलना चाहते हैं।

प्रतिद्वंद्वी के प्रति सम्मान दिखाए

मिताली ने कहा कि खेल में आक्रामकता और भावनाओं को केवल एक निश्चित सीमा तक ही व्यक्त किया जाना चाहिए, जबकि मैच के बाद की प्रस्तुति में उनके विपक्षी नंबर निगार सुल्ताना जोटी के प्रति उनके व्यवहार - अंपायरों को ट्रॉफी के साथ पोज देने के लिए बुलाने के लिए ताना मारना - अपमानजनक था। उन्होंने कहा कि एक टीम से अपेक्षा की जाती है कि वह प्रतिद्वंद्वी के प्रति सम्मान दिखाए, खासकर इस विशेष श्रृंखला में जहां किसी को बांग्लादेश को श्रेय देना चाहिए कि उन्होंने कैसे खेला और कड़ा संघर्ष किया। यह खेल के लिए, महिला क्रिकेट के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा कि अगर ट्रॉफी के साथ फोटो सेशन के दौरान विपक्षी कप्तान के प्रति हरमन के व्यवहार के संबंध में मीडिया में जो रिपोर्ट की जा रही है वह सच है, तो यह बेहद अपमानजनक और नृशंस है।

पीएम नरेन्द्र मोदी आज गांधीनगर में 'सेमीकॉन इंडिया 2023' कार्यक्रम का करेंगे उद्घाटन

गांधीनगर।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र को तेजी देने के उद्देश्य से भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय की ओर से गांधीनगर में 'सेमीकॉन इंडिया 2023' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 28 जुलाई, 2023 को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम 30 जुलाई तक चलेगा। इस कार्यक्रम की शुरुआत से पूर्व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक विशेष एग्जीबिशन का 25 जुलाई को उदघाटन किया/ इस एग्जीबिशन में सेमीकंडक्टर की उत्पादन प्रक्रिया और इस क्षेत्र में हुई प्रगति के संबंध में लोगों को अवगत कराया जाएगा। यह एग्जीबिशन भी 30 जुलाई तक जारी रहेगा। एग्जीबिशन में आने वाले आगंतुकों को सेमीकंडक्टर उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषण के बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी। एग्जीबिशन में इंजीनियरिंग, डिप्लोमा एवं अन्य संकाय के विद्यार्थियों को सेमीकंडक्टर उत्पादन के बारे में जानकारी तथा इस क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए उपयोगी विशेष जानकारी हासिल करने का अच्छा अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, अग्रणी सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज के प्रमुख भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम में भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उपलब्ध निवेश के अवसरों से संबंधित प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा पैनल चर्चा भी की जाएगी। यह एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है, जिसमें हिस्सा लेने से सेमीकंडक्टर उद्योग को नेटवर्किंग, टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी और व्यापार के अवसरों का लाभ मिलेगा। सेमीकॉन इंडिया भारत और गुजरात में सेमीकंडक्टर उद्योग में नवाचार, सहभागिता और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इवेंट साबित होगा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया भर के सेमीकंडक्टर चिप, डिस्प्ले फैब, चिप डिजाइन और असेंबली क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ भारत में इस क्षेत्र में नए अवसरों को लेकर अपने अनुभव एवं विचार प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में फॉक्सकॉन, माइक्रोन, एएमडी, आईबीएम, मार्वल, वेदांता, एलएएम रिसर्च, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स, एसटी माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रांटवुड टेक्नोलॉजीज, इंफीनियोन टेक्नोलॉजीज और एप्लाइड मैटेरियल्स सहित इस क्षेत्र से जुड़ी अन्य जानी-मानी कंपनियां शिरकत करेंगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्थानीय स्तर पर सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन क्षेत्र में त्वरित एवं समावेशी वृद्धि को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता के साथ सेमीकंडक्टर पॉलिसी (2022-2027) जारी की है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के केंद्र सरकार के प्रयासों को बल देने के लिए सेमीकंडक्टर पॉलिसी घोषित करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षेत्र के लिए आईटी/आईटीईएस (सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संबद्ध सेवा) पॉलिसी घोषित की है। है कि, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने माइक्रोन टेक्नोलॉजी कंपनी की ओर से भारत में सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) सुविधा स्थापित करने की घोषणा की थी। सेमीकंडक्टर उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी और बड़ी कंपनियों में से एक सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी और गुजरात सरकार के बीच 22,500 करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस निवेश के जरिए एटीएमपी सुविधा स्थापित करने के लिए गुजरात के साणंद शहर को चुना गया है।

इस्कॉन दुर्घटना के आरोपी तथ्य पटेल के खिलाफ 1684 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

अहमदाबाद।

इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के मुख्य आरोपी तथ्य पटेल के खिलाफ आज 1684 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी गई। जिसमें गवाहों के बयान और पंचनामा भी कोर्ट में पेश किए गए हैं। इसके अलावा 15 दस्तावेजी प्रमाण और रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया है। इस मामले में आईपीसी की धारा 164 के तहत 8 लोगों के बयान दर्ज कर सीआरपीसी की दफा 173(8) के अंतर्गत जांच की जा रही है। पुलिस ने तथ्य पटेल के खिलाफ इतनी मजबूत चार्जशीट दाखिल की है कि उसका सजा से बचना मुश्किल है। बता दें कि 19 जुलाई की रात अहमदाबाद के एसजी हाईवे पर बने इस्कॉन ब्रिज पर डम्पर और कार के बीच दुर्घटना हुई थी। जिसे देखने लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। भीड़ में खड़े लोगों को पता नहीं था कि कुछ ही क्षण में वही भी दुर्घटना का शिकार होंगे। कुछ देर बाद तेज रफ्तार में आई जगुआर कार ने भीड़ में खड़े कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 9 लोगों की घटनास्थल पर और एक की मौत दूसरे दिन अस्पताल में हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने जगुआर चला रहे तथ्य पटेल समेत उसके पांच दोस्तों को गिरफ्तार किया था। तथ्य पटेल के दोस्त ही अब उसके खिलाफ कोर्ट में गवाही देंगे। कोर्ट में आरोपी तथ्य पटेल के खिलाफ आज दाखिल 168 4 पन्नों की चार्जशीट में 15 दस्तावेजी प्रमाण, 191 गवाहों के बयान, 8 लोगों के 164 के तहत दर्ज बयान, 25 पंचनामा, दुर्घटना में मृतकों की संख्या 9, घायलों की संख्या 12, पीएम नोट 9 और 8 उपचार प्रमाण पत्र पेश किए गए हैं।

थलतेज में 35 लाख की चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद।

शहर के थलतेज में नकदी और आभूषण समेत रु. 35 लाख की चोरी के मामले में शहर की बोडकदव पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से चोरी का कुछ माल बरामद कर लिया है, जबकि कुछ रिकवर करना बाकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के थलतेज क्षेत्र के कृपामनन एपार्टमेंट निवासी चंद्रकांत सोनी की थलतेज गाम के कृष्णा एवन्यू फ्लैट में वाघेश्वरी ज्वैलर्स नामक दुकान है। चंद्रकांत सोनी अपनी पत्नी रीटा सोनी के साथ घर में अकेले रहते थे। जबकि उनका बेटा अलग रहता है और बेटी माधवी की बारेजा में शादी हो चुकी है। कुछ दिन पहले माधवी के बेटा होने पर रीटाबेन बारेजा गई थी। गत रविवार को चंद्रकांत सोनी भी बेटी से मिलने बारेजा गए थे। रविवार को घर कोई नहीं होने से चोर हाथ साफ कर गए। चंद्रकांत सोनी जब बारेजा से अपने घर लौटे तो सामान अस्त व्यस्त देख चौंक उठे। घर में घुसे चोरों ने रु. 21 लाख नकद और रु. 14 लाख कीमत के आभूषण समेत रु. 35 लाख की चोरी की थी। चंद्रकांत सोनी की शिकायत के आधार पर बोडकदेव पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और टेकनिकल सर्वेलन्स और ह्युमन सोर्सिंग की मदद से एक सप्ताह के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें एक आरोपी राजस्थान के उदयपुर का निवासी है और दूसरा अहमदाबाद के वेजलपुर क्षेत्र में रहता है। दोनों दोस्त होने की वजह से उदयपुर में रहनेवाला युवक बस के जरिए अहमदाबाद आया था। दोनों युवक बगैर कोई रैकी के कृपामनन स्थित चंद्रकांत सोनी के घर पहुंच गए और नकदी और आभूषण समेत रु. 35 लाख की चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए।

राज्य में एक साथ 70 आईपीएस अफसरों का तबादला

••अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त बने जीएस मलिक••

अहमदाबाद।

गुजरात में आज एक साथ 70 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया। पिछले काफी समय से राज्य में आईपीएस अधिकारियों के तबादले की अटकलें चल रही थीं। आखिरकार आज एक साथ 70 आईपीएस अधिकारियों के तबादले का आदेश आ गया। अहमदाबाद को भी फूल टाइम पुलिस आयुक्त मिल गए हैं। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव के निवृत्त होने के बाद प्रेमवीरसिंह के पास अहमदाबाद के कमिश्नर का चार्ज था। अब अहमदाबाद को फूल टाइम पुलिस आयुक्त के रूप में ज्ञानेन्द्रसिंह मलिक मिल गए हैं। जबकि प्रेमवीरसिंह को अहमदाबाद रेन्ज आईजी बनाया गया है। शमशेरसिंह को लो एन्ड ऑर्डर का डीजी, अनुपमसिंह गहलोत को वडोदरा का पुलिस आयुक्त, राजकुमार पांडियन रेलवे एवं सीआईडी क्राइम के एडिशनल डीजी, निरजा गोटरुराव को एडीजीपी ट्रेनिंग,

अभय चूडास्मा का कराई एकेडमी में तबादला किया गया है। एमए चावडा को एसटी (राज्य परिवहन) का एक्जिक्युटिव डायरेक्टर विजिलंस, करणराज वाघेला को वलसाड का एसपी, बलराम मीणा को पश्चिम रेलवे का एसपी, वसमशेट्टी रवि तेजा को गांधीनगर का एसपी, हर्षद पटेल को भावनगर का एसपी, राजदीपसिंह झाला को दाहोद डॉ. रवीन्द्र पटेल को पाटन, सागर वाघमार को कच्छ पूर्व का, सुशील अग्रवाल को नवसारी का डीएसपी और नीरज बडगुर्जर को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच का एडिशनल सीपी बनाया गया है। ब्रजेशकुमार झा को अहमदाबाद सेक्टर टू में जेसीपी, जयदेवसिंह जाडेजा महीसागर जिले में एसपी, विजय पटेल को साबरकांठा में एसपी, भगीरथसिंह जाडेजा को पोरबंदर का एसपी, डॉ. हर्षद पटेल को भावनगर का एसपी और हरेश दूधात का गांधीनगर आईबी में तबादला किया गया है। इसके अलावा राजेन्द्रसिंह परमार को सूरत शहर जोन-6 में डीसीपी, एनए मूनिया का सूरत पुलिस मुख्यालय में, इम्तियाज शेख का छोटा उदेपुर में एसपी बन्ना जोशी को अहमदाबाद शहर पुलिस मुख्यालय में, तेजल पटेल का वडोदरा मुख्यालय, चिराग कोरडिया का अहमदाबाद सेक्टर-1 में और वी चंद्रशेखर को अहमदाबाद के रेन्ज आईजी के तौर पर तबादला किया गया है। इसके अलावा डेप्यूटेशन पर गए अधिकारियों के भी तबादले का आदेश दिया गया है।

विधर्मी युवक ने नाबालिग लड़की अपहरण किया, वलसाड पुलिस ने नासिक से पकड़ा

वलसाड। गुजरात समेत देश के विभिन्न राज्यों से लव जिहाद की घटनाएं सामने आ रही हैं। दक्षिण गुजरात के वलसाड में ऐसी ही घटना सामने आई, जिसमें विधर्मी युवक ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए वलसाड ने आरोपी युवक को नाबालिग लड़की के साथ महाराष्ट्र के नासिक से दबोच लिया। आरोपी युवक को वापी लाकर पुलिस ने विभिन्न दफाओं के तहत केस दर्ज कर पूछताछ शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले में वापी शहर के बलिठा क्षेत्र में चार बेटियों के साथ एक दंपत्ति निवास करता है। दंपत्ति एक कंपनी में नौकरी करते हैं। दंपत्ति के नौकरी पर जाने के बाद चार बेटियां घर में अकेली रहती थीं। कुछ दिन पहले दंपत्ति जब नौकरी से लौटा तो नाबालिग बेटी को घर पर नहीं देख परेशान हो गया और उसकी तलाश शुरू कर दी। दंपत्ति को पता चला कि उसकी बेटी का रोशन सैयद नामक युवक ने अपहरण किया है। जिसके बाद पिता ने रोशन सैयद के खिलाफ वापी शहर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी समेत नाबालिग लड़की की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी तक पहुंचने के लिए मोबाइल लोकेशन, आरोपी के संपर्क और अन्य टेकनिकल जानकारी समेत मुखबिरों के नेटवर्क के जरिए महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक तक जांच शुरू कर दी। आखिरकार आरोपी रोशन सैयद नाबालिग लड़की के साथ महाराष्ट्र के नासिक से पकड़ा गया। पुलिस आरोपी समेत नाबालिग लड़की को वापी ले आई।

एनएसडीसी और आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने 800 लोगों को सफलतापूर्वक डिजिटल कौशल से लैस किया

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने आज घोषणा की कि वर्ष 2022 में शुरू की गई उनकी राष्ट्रीय कौशल विकास साझेदारी ने 800 प्रतिभाशाली युवाओं के लिए अपना प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है जिनमें से 70% प्रशिक्षुओं ने अब तक रोजगार के अवसर का लाभ उठाया है। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य, भिन्न उद्योगों के वर्कफोर्स में आगमन के लिए उन प्रतिभागियों को तैयार करना है, जिन्हें डिजिटल और व्यापक प्रौद्योगिकी से संबंधित नवीनतम उपकरणों और ज्ञान का उपयोग करके उनके प्रवेश को सरल बनाया जा सके। 561 उम्मीदवारों में से 60% से अधिक महिलाएं भी नौकरी प्राप्त करने में सफल हुई हैं। एनएसडीसी और एएम/एनएस इंडिया आगामी वर्षों में और 800 व्यक्तियों को प्रशिक्षित करके कार्यक्रम की सफलता को बढ़ाने का निश्चय करते हैं। इसमें ओडिशा के केंद्रापाड़ा, सुंदरगढ़ और क्योंझर जिलों में तीन नए कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के दांतेवाड़ा में एक केंद्र स्थापित करना शामिल होगा।

एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी ने बताया कि, "भारत के पास विशाल युवा आबादी है इसलिए यह जरूरी है कि वे व्यवसाय की गतिशील मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक डोमेन-विशिष्ट कौशल से सुसज्जित हों। आईटी/आईटी एनेबल्ड सर्विसीज और दूरसंचार क्षेत्रों में प्लेसमेंट-लिंक्ड कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना युवा क्षमताओं को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है जो उन्हें पुरस्कृत करियर की संभावनाओं को खोलने एवं गतिशील नौकरी बाजार में सफलतापूर्वक नेविगेट करने में सहायक होता है। मैं उन छात्रों को हार्दिक बधाई देता हूं जिन्होंने प्रतिष्ठित कंपनियों में स्थान हासिल किया है। मैं निजी क्षेत्र की भागीदारी को आगे बढ़ाने, क्षेत्र की क्षमताओं को बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और कार्यबल में उनके संक्रमण को सरल बनाने के लिए एएम/एनएस इंडिया के साथ हमारी साझेदारी की क्षमता को लेकर उत्साहित हूं।"

आर्सेलॉरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) के मानव संसाधन एवं प्रशासन उप निदेशक श्री केजी कुबोटा ने बताया कि, "युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलने में मदद करने के लिए इस पहल की स्थापना के बाद से जिस गति से प्रगति हुई है उससे हम रोमांचित हैं। कार्यक्रम की सफलता के केंद्र में युवाओं को ऐसे कौशल से सुसज्जित करने की क्षमता रही है जो विशेष रूप से तकनीक और दूरसंचार सहित कई उद्योगों में उपलब्ध नौकरी प्लेसमेंट से जुड़े हैं। हम अपने साझेदार एनएसडीसी के साथ मिलकर और अधिक युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित उज्जवल भविष्य को आकार देने के लिए उत्साहित हैं।"

भ्रष्टाचारी और परिवारवादियों ने अपनी जमात का नाम बदला है, नीयत नहीं : पीएम मोदी

राजकोट।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'इंडिया' नाम को लेकर आज विपक्ष दलों पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि भ्रष्टाचारी और परिवारवादियों की जमात ने अपना नाम बदला है, लेकिन नीयत आज भी वही है। पीएम मोदी ने आज सौराष्ट्र को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ ही विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत अन्य गण्यमान लोग उपस्थित रहे। राजकोट के रेषकोर्स मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज सौराष्ट्र समेत पूरे गुजरात के लिए बड़ा दिन है, लेकिन प्रारंभ में उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं जिन्हें प्राकृतिक आपदाओं के कारण काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले चक्रवात आया था और फिर बाढ़ ने भी तबाही मचाई।संकट के इस समयमें एक बार फिर जनता और सरकार ने साथ मिलकर इसका सामना किया। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों का जीवन जल्द से जल्द सामान्य हो इसके लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे राजकोट ने बहुत कुछ दिया है। जब मैं गुजरात के मुख्यमंत्री था कि गुजरात तो मिनी जापान बन रहा है, तब बहुत लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया था। लेकिन आज वे शब्द आप ने सच करके दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि सौराष्ट्र के पास सब कुछ था, लेकिन एक चीज की कमी महसूस होती थी। वह थी एक बड़ा और अत्याधुनिक एयरपोर्ट। कुछ देर पहले यह सपना भी हो गया है। उन्होंने कहा- यह सिर्फ एयरपोर्ट नहीं बल्कि विकास का नया पावर हाउस बनेगा। किसान भी यहां से अपनी फल-सब्जियां विदेशों में भेज पाएंगे। आज सौराष्ट्र को समर्पित प्रोजेक्ट से गुजरात के लोगों को बहुत फायदा होने जा रहा है। हमने समाज के हर वर्ग के लिए कार्य किया है, चाहे उसमें आदिवासी हों या कोई किसी जाति विशेष ही क्यों न हो। हमने अपनी सरकार में देश को गरीबी से बाहर लाने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में विकास की गति तेजी से बढ़ रही है। इस मौके पर पीएम मोदी विपक्षी दलों पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखा है। भ्रष्टचारी और परिवारवादियों की जमात ने अपना नाम बदला है, लेकिन नीयत आज भी उनकी वही है।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने 'आईसीआईसीआई प्रु प्रोटेक्ट एन गेन' लॉन्च किया

मुंबई।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रु प्रोटेक्ट एन गेन लॉन्च किया है। यह एक ऐसा अनूठा उत्पाद है जो व्यापक जीवन बीमा कवर, दुर्घटना के कारण आकस्मिक मृत्यु और स्थायी विकलांगता से सुरक्षा और दीर्घकालिक धन सृजन और वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बाजार से जुड़े रिटर्न प्रदान करता है।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य वितरण अधिकारी श्री अमित पाल्टा ने कहा, "हमें आईसीआईसीआई प्रु प्रोटेक्ट एन गेन लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है। यह एक अनूठा उत्पाद है जो ग्राहकों को वार्षिक प्रीमियम का 100 गुना तक जीवन कवर प्रदान करता है जो किसी भी स्थिति में ग्राहकों के वित्तीय बचत लक्ष्य की रक्षा करता है। इसके अलावा, इस उत्पाद द्वारा दिए गए बाजार से जुड़े रिटर्न, निवेश किए गए प्रीमियम पर ग्राहकों को पॉलिसी अवधि के अंत में एक बड़ी एकमुश्त राशि की पेशकश की जा सकती है।

यह उत्पाद वार्षिक प्रीमियम का 100 गुना तक जीवन बीमा कवर प्रदान करता है। यह ग्राहकों के लिए इक्विटी और डेट में 18 फंड विकल्पों की पेशकश करके अधिकतम रिटर्न प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। यह ग्राहकों को उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सुरक्षा और दीर्घकालिक बचत का सही मिश्रण प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि पॉलिसी अवधि के दौरान परिवार के लिए पूर्ण वित्तीय सुरक्षा हो और जीवित रहने पर स्वयं के लिए एक महत्वपूर्ण एकमुश्त राशि प्राप्त हो।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने खरीद प्रक्रिया को सरल बना दिया है जिसके अनुसार घोषित आय के आधार पर पॉलिसी जारी की जा सकती हैं। विशेष रूप से, 45 वर्ष से कम आयु के ग्राहकों को शारीरिक चिकित्सा परीक्षण* कराने की आवश्यकता नहीं है*।

किसी दुर्घटना के कारण पॉलिसीधारक की मृत्यु या स्थायी विकलांगता के मामले में लाभार्थी/नामित व्यक्ति को जीवन कवर या दावा राशि का एकमुश्त भुगतान किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि परिवार आर्थिक रूप से कमजोर नहीं हो।

बच्चे की भविष्य की शिक्षा या सेवानिवृत्ति के लिए बचत जैसे विशिष्ट वित्तीय लक्ष्यों के लिए योजना बनाना अपरक्राम्य लक्ष्य हैं और मौजूदा बाजार स्थितियों के आधार पर इक्विटी और ऋण में जोखिम चुनने के लचीलेपन के साथ-साथ दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता होती है। हमारा मानना है कि सुरक्षा और धन सृजन के दोहरे लाभ प्रदान करने वाला यह उत्पाद ग्राहकों की बुनियादी जरूरतों यानी सुरक्षा और दीर्घकालिक बचत को पूरा करता है।

एसबीपी कॉलेज में विरल देसाई ने विद्यार्थियों को पढ़ाए पर्यावरण संरक्षण के पाठ

सूरत।

ग्रीनमेन के तौर पर पहचाने जाने वाले उद्योगपति विरल देसाई के वक्तव्य का शहर की एसपीबी कॉलेज में आयोजन किया गया। विरल देसाई ने अपने पुस्तक " आर्किटेक्ट ऑफ अमृतपथ " पर वक्तव्य देते हुए एनएसएस के 100 से अधिक विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के पाठ पढ़ाए।

कॉलेज के आचार्य डॉ. वी. डी.नायक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विरल देसाई ने भारत सरकार की ओर से बीते दस सालों में किए गए पर्यावरण संबंधित कार्यों की छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व की मीडिया में यही बताया जाता है कि भारत यानी प्रदूषण का देश या तो कार्बन उत्सर्जन के लिए मानो भारत ही जिम्मेदार है इस तरह दर्शाया जाता है। लेकिन भारत इकलौता ऐसा देश है, जो अब तक पेरिस समझौते से जुड़ा हुआ है। इस विषय को विद्यार्थियों के समक्ष विस्तार से प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि" भारत सरकार की ओर से बीते दस सालों में अनेक ऐसे पर्यावरण संबंधित कार्य किए गए हैं, जो कार्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर सकते हैं। इन कार्यों में हम

मिशन लाइफ, नमामि गंगे या बिग केट्स अलायंस जैसे अति महत्वपूर्ण कार्यों को शामिल कर सकते हैं।

विरल देसाई ने अपने वक्तव्य के दौरान विद्यार्थियों के समक्ष पर्यावरण संरक्षण संबंधित कुछ फैक्ट्स भी रखे। वहीं, एसपीबी कॉलेज के अपने विद्यार्थी जीवन के स्मरणों को याद करते हुए उन्होंने कॉलेज परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर एनएसएस के को ऑर्डिनेटर डॉ. सुनील राजाणी और डॉ. फरीदा बेन मांडवीवाला उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)